साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 133 | जौनपुर, गुरूवार, 08 फरवरी 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

हेमंत सोरेन की ईडी रिमांड पांच दिन और बढ़ी

रांची, एजेंसी। हेमंत सोरेन की ईडी रिमांड पांच दिन और बढ़ा दी गई, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री की ओर से पेश हुए महाधिवक्ता राजीव रंजन ने कहा कि हेमंत सोरेन को बिना किसी खिड़की के तहखाने के कमरे में रखा गया है। वहां सूरज की रोशनी नहीं पहुंच पाती और पाइप से हवा भी आती है। एजी ने कहा कि यहां तक कि जब हेमंत सोरेन सोते हैं, तब भी सशस्त्र गार्ड उनकी निगरानी करते हैं। 2 फरवरी को हेमंत सोरेन को ईडी ने पांच दिनों के लिए रिमांड पर लिया था, जिसे अब पांच दिनों के लिए बढ़ाया जाएगा। एजी ने कहा, पिछले पांच दिनों में हेमंत सोरेन से 120 घंटे तक पूछताछ की गई है। 5 फरवरी को हेमंत सोरेन ने चंपई सोरेन सरकार के फ्लोर टेस्ट में हिस्सा लिया, जिसे जेएमएम के नेतृत्व वाले गठबंधन ने 47:29 बहुमत के साथ जीता। वोट से पहले हेमंत सोरेन ने अपनी गिरफ्तारी पर बात की और इसे इस बात का उदाहरण बताया कि समाज में दलितों और आदिवासियों पर किस तरह से अत्याचार किया जाता है।

उन्होंने कहा कि उनकी गिरफ्तारी में गवर्नर हाउस की भी भूमिका थी और अगर उनके खिलाफ कोई सबूत मिला तो वह राजनीति छोड़ देंगे। फ्लोर टेस्ट के बाद हेमंत सोरेन को वापस ईडी दफ्तर लाया गया।

एमपी में कुलपति अब कहलाएंगे कुलगुरु

भोपाल, एजेंसी। मध्य प्रदेश में विश्वविद्यालय के कुलपति को अब कुलगुरु कहा जाएगा। यह फैसला मंगलवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में लिया गया। मंत्रिपरिषद द्वारा मध्य प्रदेश विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2024 के माध्यम से मध्य प्रदेश विश्वविद्यालय अधिनियम, 1973 में संशोधन प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया। विधेयक को आगामी विधानसभा सत्र में पुर्नस्थापित और पारित कराने संबंधी कार्यवाही के लिए उच्च शिक्षा विभाग को अधिकृत किया गया। विधेयक में संशोधन के अनुसार विश्व विद्यालयों में कुलपति पदनाम को कुलगुरु किए जाने पर अनुमोदन दिया गया है। मंत्रिपरिषद ने कृषि उत्पादकता को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2023–24 में शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर कृषकों को अल्पावधि फसल ऋण दिए जाने की योजना को निरंतर रखने की स्वीकृति दी है। चाइल्ड हेल्प लाइन के सुचारू और कुशल संचालन के लिए विभागीय आदेश में संशोधन की स्वीकृति दी गई। संशोधन के अनुसार जिला स्तर पर जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा एक हेल्प लाइन यूनिट का संचालन किया जाएगा। इस कार्य के लिए मानव संसाधन का चयन भारत सरकार द्वारा निर्धारित अर्हता अनुसार विज्ञापन जारी कर पारदर्शी प्रक्रिया से किया जायेगा। चाइल्ड हेल्प लाइन के सभी स्टाफ संविदा पर रखे जाएंगे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने की दिल्ली मेट्रो की सवारी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार 7 फरवरी को दिल्ली मेट्रो की सवारी की। इसका एक वीडियो समाचार एजेंसी एएनआई ने साझा किया है। राष्ट्रपति मुर्मू के बगल में उनके सुरक्षा अधिकारी थे और वह पीली साड़ी पहने प्रसन्नतापूर्वक बैठी थीं। वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका है। लोग इसकी तारीफ भी कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने दिल्ली मेट्रो की वायलेट लाइन में यात्रा की, जो कश्मीरी गेट और फरीदाबाद में राजा नाहर सिंह (बल्लभगढ़) के बीच चलती है। कथित तौर पर, राष्ट्रपति के इस अप्रत्याशित कदम का उद्देश्य शहर के निवासियों के दैनिक जीवन के साथ संबंध स्थापित करना था। समाचार एजेंसी एएनआई द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में यह खबर कैद हुई, जिसमें राष्ट्रपति को मेट्रो के अंदर बैठे और कुछ अधिकारियों और स्कूली छात्रों के साथ बातचीत करते हुए दिखाया गया। इससे पहले 31 जनवरी को बजट सत्र की शुरुआत में संसद के दोनों सदनों

की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा था कि सरकार परीक्षाओं में अनियमितताओं को लेकर युवाओं की चिंताओं से अवगत है। बजट सत्र के पहले दिन 31 जनवरी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक को संबोधित किया था। राष्ट्रपति मुर्मू और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने भी मध्य प्रदेश के हरदा में एक पटाखा फैक्ट्री में भीषण आग में जानमाल के नुकसान पर शोक व्यक्त किया। इस बीच, नोएडा मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (एनएमआरसी) ने सोमवार को दिल्ली मेट्रो की ब्लू लाइन पर एक इंटरचेंज स्टेशन के साथ नोएडा एक्सटेंशन तक अपने नेटवर्क का विस्तार करने के लिए एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) को मंजूरी दे दी।

उत्तराखंड विधानसभा में ध्वनि मत से पारित हुआ यूसीसी बिल

उत्तराखंड, एजेंसी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार द्वारा पेश किया गया समान नागरिक संहिता उत्तराखंड 2024 विधेयक सदन में पारित हो गया। विधानसभा में यूसीसी बिल पास होने के बाद उत्तराखंड समान नागरिक संहिता लागू करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। इससे पहले मंगलवार को उत्तराखंड सरकार ने विधानसभा में विधेयक पेश किया था, जो आजादी के बाद किसी भी राज्य में इस तरह का पहला कदम था। यह विधेयक मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा सभी नागरिकों के लिए उनके धर्म की परवाह किए बिना एक समान विवाह, तलाक, भूमि, संपत्ति और विरासत कानून स्थापित करने के उद्देश्य से प्रस्तुत किया गया था। राज्य विधानसभा द्वारा आज समान नागरिक संहिता उत्तराखंड 2024 विधेयक पारित होने के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा देहरादून में पटाखे फोड़े गए। देहरादून में एक पार्टी कार्यक्रम में पार्टी नेताओं द्वारा ध्वनि को सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि ये खास दिन है.. . कानून बन गया है। यूसीसी पारित

कर दिया गया है। जल्द ही इसे राष्ट्रपति के पास भेजा जाएगा। राष्ट्रपति के हस्ताक्षर होते ही हम इसे कानून के रूप में राज्य में लागू कर देंगे। उन्होंने कहा कि यह कानून समानता, एकरूपता और समान अधिकार का है। इसे लेकर कई शंकाएं थीं लेकिन विधानसभा में दो दिन की चर्चा से सब कुछ स्पष्ट हो गया। यह कानून किसी के खिलाफ नहीं है। यह उन महिलाओं के लिए है जिन्हें सामाजिक मानदंडों के कारण कठिनाई का सामना करना पड़ता है। चर्चा का जवाब देते हुए पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि समान नागरिक संहिता विवाह, भरण–पोषण, विरासत और तलाक जैसे मामलों पर बिना किसी भेदभाव के सभी को समानता का अधिकार देगी। यूसीसी मुख्य रूप से महिलाओं के खिलाफ भेदभाव को दूर करेगी। उन्होंने कहा कि यूसीसी महिलाओं के खिलाफ अन्याय और गलत कार्यों को खत्म करने में सहायता करेगी। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि मातृशक्ति पर अत्याचार बंद किया जाए। हमारी बहन–बेटियों के साथ भेदभाव बंद किया जाए। आधी आबादी को अब समान अधिकार मिलना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि काफी समय बीत गया। हमने अमृत महोत्सव मनाया. लेकिन 1985 के शाह बानो मामले के बाद भी सच को स्वीकार नहीं किया गया। वो सच जिसके लिए शायरा बानो ने दशकों तक संघर्ष किया। वो सच जो पहले ही हासिल किया जा सकता था लेकिन अज्ञात कारणों से नहीं किया जा सका। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि जब पूर्ण बहुमत वाली सरकारें थीं तब भी समान नागरिक संहिता लाने के प्रयास क्यों नहीं किये गये? महिलाओं को समान अधिकार क्यों नहीं दिये गये?

अच्छा प्रदर्शन करने वालों को शायद ही वह पहचान मिल पाती है जिसके वे हकदार होते - नितिन गडकरी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को मजाकिया अंदाज में कहा कि चाहे कोई भी राजनीतिक दल सत्ता में हो, अच्छा प्रदर्शन करने वालों को शायद ही वह पहचान मिल पाती है जिसके वे हकदार थे, जबकि जो लोग लड़खड़ाते थे उन्हें अक्सर सजा नहीं मिलती। उनका बयान किसी व्यक्ति विशेष पर केंद्रित नहीं था। मैं हमेशा मजाक में कहता हूं कि चाहे किसी भी पार्टी की सरकार हो, एक बात तय है कि जो अच्छा काम करता है उसे कभी सम्मान नहीं मिलता और जो बुरा काम करता है उसे कभी सजा नहीं मिलती। गडकरी ने मौजूदा समय में सत्ताधारी पार्टी के साथ जुड़े रहने के इच्छुक अवसरवादी नेताओं पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने जोर देकर कहा कि हालांकि ऐसे राजनेता हैं जो अपनी विचारधारा में निहित हैं, लेकिन उनकी संख्या धीरे–धीरे कम हो रही है। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह की विचारधारा में गिरावट लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत नहीं है। सांसदों को उनके अनुकरणीय योगदान के लिए पुरस्कार प्रदान करने के लिए मराठी समाचार संगठन लोकमत मीडिया ग्रुप द्वारा दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में गडकरी ने यह टिप्पणी की। उन्होंने जोर देकर कहा कि बहस और चर्चा में मतभेद कोई समस्या नहीं है। वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा, हमारी समस्या विचारों की कमी है।श्श उन्होंने कहा, ऐसे लोग हैं जो अपनी विचारधारा के आधार पर दृढ़ विश्वास के साथ खड़े हैं, लेकिन ऐसे लोगों की संख्या घट रही है। और विचारधारा में यह गिरावट, जो हो रही है, लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है। गडकरी ने कहा, न तो दक्षिणपंथी और न ही वामपंथी, हम जाने–माने अवसरवादी हैं, कुछ लोग ऐसा लिखते हैं। और सभी सत्तारूढ़ दल से जुड़े रहना चाहते हैं। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी का हवाला देते हुए, गडकरी ने कहा कि भारत लोकतंत्र की जननी है। उन्होंने कहा, इसी खासियत के कारण हमारी लोकतांत्रिक शासन प्रणाली शेष विश्व के लिए आदर्श है।

कारपोरेट जगत बेटियों की शिक्षा में दे योगदान – धनखड़

नई दिल्ली, एजेंसी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को कहा कि भारतीय लोकतंत्र में महिलाएं सबसे बड़ी हिस्सेदार हैं। इसके अलावा, उन्होंने कॉरपोरेट जगत से आगे आकर लड़कियों की शिक्षा में योगदान देने को कहा। धनखड़ दिल्ली विश्व विद्यालय के नॉर्थ कैंपस में इंद्रप्रस्थ महिला महा विद्यालय के शताब्दी समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा, श्हमारे कारोबारी विदेशी एनजीओ को काफी दान देते हैं। कॉरपोरेट को आगे आना चाहिए और अपने सीएसआर फंड का इस्तेमाल लड़कियों की शिक्षा में योगदान के लिए करना चाहिए। धनखड़ ने कहा कि एक लड़की को शिक्षित करने का मतलब है एक पूरी पीढ़ी को बदलना। इससे एक क्रांति की शुरुआत हो सकती है। इसके अलावा, कॉलेज के छात्रों को नए

संसद भवन का दौरा करने के लिए आमंत्रित करते हुए उन्होंने कहा कि वे ऐसे सैनिक हैं जो अगले 25 वर्षों में श्अमृत कालश के स्वर्णिम काल की शुरुआत करेंगे। उन्होंने कहा कि 26 जनवरी को भारत की नारी शक्ति का प्रदर्शन विश्व के लिए एक क्रांतिकारी मॉडल बना है। कर्तव्य पथ पर आर्मी, एयर फोर्स, नेवी, हेलीकॉप्टर, हवाई जहाज – सब जगह आप ही आप थे।

भारत को एक आत्मनिर्भर रक्षा अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र की आवश्यकता – सीडीएस अनिल चौहान

नई दिल्ली, एजेंसी। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने बुधवार को कहा कि अब देश के लिए अत्यधिक सक्षम आत्मनिर्भर रक्षा अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र बनाने का समय आ गया है। एसआईए–इंडिया द्वारा आयोजित डेफसैट सम्मेलन और एक्सपो को संबोधित करते हुए, सीडीएस चौहान ने कहा कि वर्तमान अवधि निजी क्षेत्र के लिए अमृतकाल हो सकती है। डेफसैट एक तीन दिवसीय अंतरिक्ष संगोष्ठी और प्रदर्शनी है, जिसका आयोजन बुधवार को दिल्ली कैंट के मानेकशॉ सेंटर में किया गया। सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने कहा कि सरकार ने अंतरिक्ष संवर्धन से लेकर अन्वेषण तक देश के लिए बड़े लक्ष्यों की कल्पना की है। जनरल चौहान ने कहा कि हमारी भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, अगर मैं एक मोटा अनुमान लगाऊं, तो आने वाले कुछ वर्षों में हमारा परिव्यय 25,000 करोड़ रुपये से अधिक होगा। निजी उद्योग के लिए इस अवसर का उपयोग करने का यह सही समय है। यह अवधि निजी अंतरिक्ष उद्योग के लिए अमृतकाल हो सकती है। मुझे लगता है कि अब एक अत्यधिक सक्षम आत्मनिर्भर रक्षा अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र बनाने का समय आ गया है। उन्होंने रक्षा अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र के सभी हितधारकों से देश की अंतरिक्ष संपत्तियों की सुरक्षा के लिए एक निवारक के रूप में काउंटर–स्पेस क्षमताओं को बढ़ाने पर काम करने का भी आह्वान किया। मानव जाति और युद्ध में लगे सशस्त्र बलों के लिए अंतरिक्ष की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए सीडीएस ने कहा कि भूमि, वायु, समुद्र और यहां तक घ्कि साइबर के पारंपरिक क्षेत्रों में युद्ध क्षमताओं को बढ़ाने के लिए अंतरिक्ष का उपयोग बल गुणक के रूप में किया जा सकता है। सीडीएस ने सशस्त्र बलों की क्षमताओं को मजबूत करने के लिए अंतरिक्ष का लाभ उठाने के लिए सरकार की प्रमुख पहलों का उल्लेख किया।

अयोध्या के विकास के लिए हमारी सरकार पूरी तरीके से प्रतिबद्ध - मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने अपनी सरकार की उपलब्धियां बताई और साथ ही साथ प्राथमिकता भी गिनाई। उन्होंने अयोध्या के बहाने विपक्षी दलों पर जबरदस्त तरीके से प्रहार भी किया। उन्होंने कहा कि अयोध्या के विकास के लिए हमारी सरकार पूरी तरीके से प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में एक जगह को लेकर मामला कोर्ट में चल रहा था। लेकिन अयोध्या के विकास को किसने रोका था। योगी ने कहा कि अयोध्या की सड़कों को चौड़ा किया जा सकता था, घाटों को बेहतर बनाया जा सकता था। लेकिन यह सब चीज नहीं की गई। मुख्यमंत्री ने साफ तौर पर कहा कि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश के लिए पहचान का संकट था। उन्होंने कहा कि जो भी संकल्प लिया, उसकी सिद्ध हुई है। आज नव्य और दिव्य अयोध्या पूरी तरीके से सजी हुई दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में जिन लोगों ने शासन किया... वे उत्तर प्रदेश को कहां लेकर गए? उन्होंने उत्तर प्रदेश वासियों के सामने पहचान का संकट खड़ा कर दिया था। उन्होंने कहा कि यहां का नौजवान पहचान छिपाने के लिए मजबूर था... नौजवान कहीं जाता था तो नौकरी नहीं मिलती थी। किराए पर कमरे की बात तो दूर होटल और धर्मशालाओं में भी कमरे नहीं मिल पाते थे।

बीजेपी ने 8 भाषाओं में लान्च की मोदी सरकार की उपलब्धियों पर आधारित फिल्म

नई दिल्ली, एजेसी। आगामी लोकसभा चुनावों से पहले, भाजपा के आधिकारिक सोशल मीडिया पर तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़, असमिया, उड़िया, बंगाली और हिंदी सहित आठ भाषाओं में प्रधान मंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) पर आधारित एक वीडियो जारी किया। वीडियो को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आधिकारिक हैंडल से माइक्रोब्लॉगिंग साइट एक्स पर भी शेयर किया गया। मोदी ने लिखा कि मुद्रा योजना ने न सिर्फ उद्यमिता को बढ़ावा दिया है, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन में अद्भुत बदलाव लाने का काम भी किया है। मुझे यह देखकर भी बहुत संतोष होता है कि इस योजना में हमारी माताओं–बहनों के साथ ही एससी, एसटी और ओबीसी समुदाय के लाभार्थियों की संख्या सबसे अधिक है। सरकार द्वारा लागू की गई महत्वपूर्ण नीतियों के आधार पर आठ भाषाओं में कुल पांच वीडियो जारी किए गए। सपने नहीं हकीकत बुनते, तभी तो सब मोदी को चुनते हैं, 2024 के चुनावों के लिए भाजपा का अभियान बताता है कि कैसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने करोड़ों भारतीयों के सपनों और आकांक्षाओं को हकीकत में बदल दिया है। अभियान का संदेश पीएम मोदी की पिछली पीढ़ी, वर्तमान पीढ़ी और अमृत पीढी की भावी पीढ़ी के वादों और सपनों की गारंटी और वितरण पर आधारित है। ये नीतियां मुद्रा योजना, जन धन योजना, उज्ज्वला योजना, यूपीआई–डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा और पीएम आवास योजना हैं। 8 अलग–अलग भाषाओं में वीडियो का पहला सेट मुद्रा योजना के बारे में बताता है – और उद्यम शीलता को बढ़ावा देती है। इसी तरह, योजना के लाभार्थी महिलाओं, अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति और ओबीसी की बड़ी संख्या भी उल्लेखनीय है।

मोदी सरकार अभेद्य सीमाएं बनाने के लिए प्रतिबद्ध – अमित शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र की मोदी सरकार देश की सीमा सुरक्षा के साथ आंतरिक सुरक्षा को लेकर भी लगातार कोई ना कोई फैसला लेती रही है। गृह मंत्री अमित शाह कई मंचों पर कह चुके हैं कि भारत दुनियाभर से अपना दोस्ताना रिश्ता चाहता है, लेकिन देश की सीमा और नागरिकों की सुरक्षा से हम किसी तरह का समझौता नहीं करने वाले हैं। वहीं, पीएम नरेंद्र मोदी पूरी दुनिया को आतंकवाद के खिलाफ एक साथ आने का आह्वान करते रहे हैं। दूसरी तरफ गृह मंत्री शाह भी कह रहे हैं कि भारत दुनिया भर के देशों के सामने समस्या का

समाधान देने वाला देश बनकर उभरा है। आतंकवाद और इसके लिए मुहैया कराए जा रहे धन के खिलाफ अब सबको साथ आने की जरूरत है क्योंकि आतंकवाद अच्छा और बुरा नहीं, सिर्फ आतंकवाद होता है। ऐसे में देश की सीमाओं को अभेद्य बनाने को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बड़ा ऐलान किया है।

संपादकीय

विचार के अनुरूप काम

जर्मनी अपने विचार के अनुरूप काम कर रहा है। अपने स्वयं के दूर–दक्षिणपंथी राष्ट्रवाद के परेशान इतिहास के साथ सार्वजनिक गणना के प्रति जर्मनी की प्रतिबद्धता ने उदार, मानवीय आदर्शों के वैश्विक नेता के रूप में इसकी अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा के साथ–साथ इसकी आत्म–अवधारणा को भी आकार दिया है। परिणामस्वरूप, जर्मन धुर–दक्षिणपंथ की बढ़ती शक्ति को रोकने में स्पष्ट शक्तिहीनता जर्मन नागरिकों और नेताओं के लिए विशेष रूप से चिंताजनक रही है। लेकिन इस महीने की शुरुआत में, संवैधानिक अदालत ने सुदूर–दक्षिणपंथी राजनीतिक दलों को निशाना बनाने में अपनी जीत का दावा किया जब उसने फैसला सुनाया कि नव–नाजी, अतिराष्ट्रवादी पार्टी, डाई हेइमत (द होमलैंड), जिसे पहले एनपीडी या नेशनलडेमोक्राटिस पार्टेई डॉयचलैंड्स (एक पतली–सी पार्टी) कहा जाता था। राष्ट्रीय समाजवाद का परोक्ष संदर्भ), अपनी विचारधारा के कारण छह वर्षों तक राज्य पार्टी का वित्तपोषण प्राप्त करने में असमर्थ होगा। अदालत ने फैसला सुनाया कि पार्टी "स्वतंत्र लोकतांत्रिक बुनियादी व्यवस्था की अवहेलना करती रहती है और अपने लक्ष्यों और अपने सदस्यों और समर्थकों के व्यवहार के अनुसार, इसे खत्म करने के लिए तैयार है। नतीजा यह है कि पार्टी पर सख्ती से प्रतिबंध नहीं लगाया गया है, बल्कि उसे फंडिंग कैसे प्राप्त हो सकती है, इस मामले में उसे गंभीर रूप से पंगु बना दिया गया है। जर्मनी में राजनीतिक दलों को सरकार में उनके प्रतिनिधित्व के आधार पर राज्य की वित्तीय सहायता मिलती है। वे सभी पार्टी फंडों का 50: तक राज्य वित्त पोषण प्राप्त कर सकते हैं, बाकी सदस्यता शुल्क और दान से आता है। (हालांकि चुनावी सफलता की कमी के कारण डाई हेइमैट को 2021 के बाद से कोई राज्य फंडिंग नहीं मिली है, लेकिन 2016 में उसे 370,600 यूरो मिले थे जब उसने पूर्वी राज्य मैक्लेनबर्ग–वोर्पोमेर्न में 3.02: वोट हासिल किया था)। पार्टी पर प्रतिबंध लगाने के दो असफल प्रयासों के बाद डाई हेइमत के खिलाफ मामला अप्रत्याशित है और यह एक ऐतिहासिक मिसाल कायम करता है जिसके संभावित दूरगामी परिणाम होंगे। इस फैसले पर पहले से ही दूर–दक्षिणपंथी पार्टी, अल्टरनेटिव फॉर जर्मनी (अल्टरनेटिव फर ड्यूशलैंड, एएफडी) को निशाना बनाने के संभावित ब्लूप्रिंट के रूप में चर्चा की जा रही है, जो 23: समर्थन के साथ राष्ट्रीय स्तर पर दूसरे स्थान पर है, जो कि उसके द्वारा जीते गए 10. 3: से दोगुने से भी अधिक है। 2021 में जर्मनी का आखिरी संघीय चुनाव। कई पूर्वी जर्मन राज्यों में मतदान से पता चलता है कि इस क्षेत्र में राज्य चुनावों और इस गर्मी में स्थानीय चुनावों से पहले एएफडी सबसे लोकप्रिय पार्टी है। एएफडी की बढ़ती गति के खिलाफ आक्रोश ने देश को हिलाकर रख दिया है। खोजी समाचार आउटलेट, करेक्टिव द्वारा एएफडी सदस्यों और चरमपंथियों के बीच एक बैठक के साक्ष्य प्रकाशित किए जाने के बाद, जहां लाखों लोगों को निर्वासित करने की योजना बनाई गई थी, अनुमानित 1.4 मिलियन जर्मन हाल के हफ्तों में पार्टी के खिलाफ विरोध करने के लिए 100 से अधिक स्थानों पर सड़कों पर उतर आए हैं। जर्मन नागरिकों सहित 'आव्रजन पृष्ठभूमि' पर खुलकर चर्चा की गई। म्यूनिख में 100,000 से अधिक लोगों का एक विरोध प्रदर्शन सुरक्षा कारणों से रद्द कर दिया गया क्योंकि पंजीकृत संख्या से चार गुना से अधिक लोग विरोध प्रदर्शन के लिए आए थे। विरोध प्रदर्शनों का असर हो रहा है क्योंकि एएफडी नेता अपनी जमीन खो रहे हैं। एक स्थानीय चुनाव में, अनुमानित अग्रणी, एक एएफडी उम्मीदवार, अपने रूढ़िवादी प्रतिद्वंद्वी से मामूली अंतर से हार गया, संभवतः एएफडी के व्यापक रूप से प्रचारित घोटाले के जवाब में। एक अन्य उदाहरण में, थुरिंगिया की एक अदालत ने फैसला सुनाया कि स्थानीय एएफडी पार्टी प्रमुख , ब्योर्न होके को फासीवादी के रूप में वर्णित किया जा सकता है। तब से 1.6 मिलियन से अधिक लोगों ने एक याचिका पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें चुनाव में खड़े होने के उनके अधिकार को रद्द करने की मांग की गई है, जो सफल होने पर एक अभूतपूर्व कानूनी कदम होगा। लेकिन सभी राजनीतिक नेता कानूनी रणनीति के साथ धुर–दक्षिणपंथी पार्टियों पर हमला करने के विचार से सहमत नहीं हैं। सुदेउत्शे–जीतुंग से बात करते हुए, पूर्वी राज्य सैक्सोनी एनहाल्ट में रूढ़िवादी क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन के नेता स्वेन शुल्ज ने कहा, "हमें (एएफडी पर) शहीद का दर्जा देने से बचना होगा और इसके बजाय तर्कों के साथ राजनीतिक रूप से लड़ना होगा।" क्रिश्चियन लिंडनर, वित्त मंत्री और उदारवादी फ्रेई डेमोक्रैटिस पार्टेई या एफडीपी के प्रमुख, जो एफडीपी, सोशल डेमोक्रेट्स और ग्रीन्स के बीच वर्तमान सत्तारूढ़ 'ट्रैफिक लाइट' गठबंधन का सदस्य है, ने वेल्ट के संवाददाताओं से कहा, "यह यह आभास नहीं देना चाहिए कि लोकतांत्रिक केंद्र की पार्टियाँ पार्टी कानून का सहारा लेकर अप्रिय प्रतिस्पर्धा को रोकना चाहती हैं। लिंडनर ने जोर देकर कहा कि गठबंधन सरकार उन समस्याओं का जवाब दे रही है जिनके कारण एएफडी का उदय हुआ, विशेषकर आप्रवासन। "बहुत से लोग मर्केल युग के बाद से एक अलग प्रवासन नीति की प्रतीक्षा कर रहे हैं। यह अब आ रहा है। एफडीपी के पास एएफडी मतदाताओं की चिंताओं को बढ़ाने के अपने कारण हैं। पार्टी को 2013 में अपमानजनक हार का सामना करना पड़ा जब उसे द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पहली बार संसद से बाहर कर दिया गया। 2016 में यूरोपीय संघ के शरणार्थी संकट के चरम पर, जब लिंडनर ने जर्मन कानून के शासन को कमजोर करने और यूरोपीय संघ की एकजुटता को नुकसान पहुंचाने के रूप में एंजेला मर्केल की 'मानवीय संकीर्णता' पर हमला किया।

भाजपा ने दशकों से अपनी स्थिति की बुनियादी बातें बदल दी

आदित्य

अपनी वेबसाइट पर, भाजपा कहती है "एकात्म मानववाद का दर्शन व्यक्ति को केवल एक भौतिक वस्तु के रूप में नहीं बल्कि एक आध्यात्मिक आयाम वाले व्यक्ति के रूप में देखता है। यह आर्थिक विकास के लिए अभिन्न दृष्टिकोण की बात करता है जिसके मूल में व्यक्ति परिवार, समाज और राष्ट्र से जुड़ा हुआ है।" इन शब्दों का क्या मतलब है? किसी सरकार और राजनीतिक दल का आध्यात्मिक आयाम से क्या लेना–देना है, और यदि यह संभव भी है तो राज्य के लिए उपलब्ध सामान्य लीवर के साथ इस आध्यात्मिक आयाम का उपयोग कैसे किया जा सकता है? ये शब्द भाजपा के घोषणापत्र में या भाजपा के बजट में कार्रवाई योग्य नीतियों के माध्यम से कैसे प्रतिबिंबित होते हैं? यदि हैं तो वे अन्य दलों की नीतियों से किस तरह गायब हैं? आइए एक नजर डालते हैं बीजेपीध्जनसंघ के उन घोषणापत्रों पर, जिन्हें पार्टी ने कुछ साल पहले प्रकाशित किया था। पाठकों को यह जानकर आश्चर्य हो सकता है कि पार्टी जिस तरह से सोचती है उसमें बहुत कम या कोई निरंतरता नहीं है और महत्वपूर्ण मुद्दों पर उसने बिना किसी स्पष्टीकरण के अपनी स्थिति उलट दी है। अपने 1954 के घोषणापत्र में, और फिर 1971 में, जनसंघ ने 20रू1 के अनुपात को बनाए रखते हुए सभी भारतीय नागरिकों की अधिकतम आय 2,000 रुपये प्रति माह और न्यूनतम 100 रुपये तक सीमित करने का संकल्प लिया। यह इस अंतर को कम करने पर तब तक काम करता रहेगा जब तक कि यह 10रू1 तक न पहुंच जाए, जो कि आदर्श अंतर था और सभी भारतीयों को उनकी स्थिति के आधार पर केवल इस सीमा के भीतर ही आय प्राप्त हो सकती थी। इस सीमा से अधिक व्यक्तियों द्वारा अर्जित अतिरिक्त आय को राज्य द्वारा "योगदान, कराधान, अनिवार्य ऋण और निवेश के माध्यम से" विकास आवश्यकताओं के लिए विनियोजित किया जाएगा। पार्टी शहरों में आवासीय घरों के आकार को भी

सीमित कर देगी और 1,000 वर्ग गज से अधिक के भूखंडों की अनुमति नहीं देगी (किसी को अंबानी और अडानी को यह बताना चाहिए)। 1954 में, यह कहा गया कि "ट्रैक्टर का उपयोग केवल कुंवारी मिट्टी को तोड़ने के लिए किया जाएगा। सामान्य जुताई के प्रयोजनों के लिए उनके उपयोग को हतोत्साहित किया जाएगा।" यह निःसंदेह इसलिए था क्योंकि यह बैल और बैल को वध से बचाने की कोशिश कर रहा था। 1951 में, गोहत्या पर प्रतिबंध को "गाय को कृषि जीवन की आर्थिक इकाई बनाने के लिए" आवश्यक चीज के रूप में समझाया गया था। 1954 में, पाठ अधिक धार्मिक था और गाय संरक्षण को "पवित्र कर्तव्य" कहा गया था। हालाँकि वह कहती है कि वह आज समान नागरिक संहिता की समर्थक है, पार्टी ने तलाक और एकल परिवारों का लगातार विरोध किया है। इसके पुराने घोषणापत्र (1957 और 1958) कहते हैं कि "संयुक्त परिवार और अविभाज्य विवाह हिंदू समाज का आधार रहे हैं।" इस आधार को बदलने वाले कानून अंततः समाज के विघटन का कारण बनेंगे। इसलिए जनसंघ हिंदू विवाह और हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम को निरस्त कर देगा। जनसंघ के 1973 के जातीय हिंसा के विश्लेषण से पता चलता है कि ज्यादातर मामलों में संघर्ष हरिजनों और जातीय हिंदुओं के बीच नहीं है, बल्कि यह हरिजनों और सत्ता में मौजूद लोगों के एक समूह के बीच है, जो ऊंची जातियों से भी आते हैं। मतलब यह कि जाति स्वयं संघर्ष का स्रोत नहीं थी। सांस्कृतिक रूप से, पार्टी शराब के खिलाफ मजबूती से खड़ी रही और देशव्यापी शराबबंदी की मांग की। और यह चाहता था कि सभी क्षेत्रों में अंग्रेजी का स्थान स्थानीय भाषाओं और विशेषकर हिंदी द्वारा लिया जाए। सबसे दिलचस्प बात यह है कि जनसंघ ने कहा कि वह यूएपीए जैसे निवारक हिरासत कानूनों को भी रद्द कर देगा, जो कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बिल्कुल विपरीत थे। यह वादा 1950 के दशक में बार–बार किया गया था। हालाँकि, 1967 तक, इसने मांग को योग्य बनाना शुरू कर दिया और कहा कि "यह सुनिश्चित करने के लिए ध्यान रखा जाएगा कि पांचवें स्तंभकारों और विघटनकारी तत्वों को मौलिक अधिकारों का शोषण करने की अनुमति नहीं है"। समय के साथ, जनसंघ और भाजपा निवारक हिरासत के सबसे उत्साही समर्थकों में से एक बन गए। 1954 में, पार्टी ने कहा कि वह संविधान में पहले संशोधन को रद्द कर देगी जिसने "उचित प्रतिबंध।" लगाकर बोलने की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाया था। इस संशोधन ने अनिवार्य रूप से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को छीन लिया क्योंकि उचित प्रतिबंध के रूप में देखी जाने वाली सूची बहुत व्यापक और विस्तृत थी। जनसंघ ने महसूस किया कि यह कोई ऐसी चीज नहीं है जिसे बिना चुनौती दिए जाने दिया जा सके।

विपक्ष की रेखाएँ जो धुंधली नहीं होंगी

लोकेश

उन सभी लोगों के बीच जो भारत में लोकतंत्र के बारे में गंभीरता से सोचते हैं और लगातार इस बात को लेकर चिंतित रहते हैं कि यह कैसे खध्तरे में है, इस बात को लेकर दुख है कि कैसे विपक्षी दल भाजपा और नरेंद्र मोदी शासन के ध मामाकेदार उद्यम को चुनौती देने के लिए एक साथ नहीं रह पाए हैं। विशेषकर बिहार में नीतीश कुमार के भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में शामिल होने के बाद निराशा स्पष्ट हो गई है। नीतीश के बाहर निकलने के बाद ममता बनर्जी का गुस्सा फूट पड़ा। तब अखिलेश यादव ने एकतरफा घोषणा की कि वह उत्तर प्रदेश में कांग्रेस पार्टी को कितनी सीटें देना चाहते हैं। अगर वह गठबंधन को लेकर गंभीर होते तो बंद कमरे में इस पर चर्चा करते. इसने तीन बड़े राज्यों में सहयोग को प्रभावी ढंग से खारिज कर दिया। एक अन्य बड़े राज्य महाराष्ट्र में स्थिति अस्थिर है। वहां कांग्रेस के दो बड़े सहयोगी–शरद पवार और उद्धव ठाकरे–अपनी पार्टियों के विभाजन के बाद अपने समर्थन आधार को लेकर अनिश्चित हैं।

केरल में कांग्रेस की भूमिका पर वाम दलों के भीतर भी गंभीर भ्रम है, पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा के उनके नियंत्रण से दूर जाने के बाद एकमात्र राज्य जहां से कम्युनिस्ट अपनी छाप छोड़ सकते हैं। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कम्युनिस्ट केरल के वायनाड में राहुल गांधी के खिलाफ एनी राजा को मैदान में उतार सकते हैं। दक्षिण के बाकी हिस्सों में विपक्ष तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में उम्मीद लगा सकता है. कर्नाटक और तेलंगाना में उन्हें कड़ी चुनौती मिलने की संभावना है। इस भ्रम की स्थिति के बीच, सोमवार को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर अपने धन्यवाद प्रस्ताव में, मोदी ने विपक्षी गठबंधन के 'टूटे हुए गठबंधन' पर कटाक्ष किया। अगस्त 2023 में, कांग्रेस के संचार प्रमुख जयराम रमेश ने कहा था कि इंडिया संगम संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) से "वैचारिक रूप से अलग" था जिसका नेतृत्व कांग्रेस ने पहले किया था। लेकिन उन्होंने बहुत ही संकीर्ण अर्थ में वैचारिक भिन्नता की बात कही। उन्होंने बस इतना कहा कि जहां भारत एक चुनाव–पूर्व समझौता था, वहीं यूपीए एक चुनाव–पश्चात समझौता था। जैसे–जैसे महीने बीतते गए, गठबंधन के भीतर वास्तविक वैचारिक मतभेद उजागर होते गए। कई क्षेत्रीय दलों को ऐसा प्रतीत हुआ कि कांग्रेस उनके ट्रेडमार्क वैचारिक क्षेत्रों का अतिक्रमण कर रही है – उदाहरण के लिए, मंडल राजनीति (राष्ट्रीय जाति जनगणना की मांग करना इसकी अभिव्यक्तियों में से एक थी) और संघवाद। आखध्रिकार, क्षेत्रीय दलों ने अन्य पहलुओं के अलावा इन दो पहलुओं पर भी कांग्रेस की कीमत पर अपनी राजनीतिक जगह बनाई थी। अब वे अपने अस्तित्व को खतरे में डालने के लिए कांग्रेस को पुनर्जीवित नहीं करना चाहते थे। कांग्रेस की आत्मसंतुष्टि और उसकी नैतिक कृपा ने सहयोगियों को और अधिक परेशान कर दिया। विश्वास की कमी और ईमानदारी की कमी ने गहरी खाई पैदा कर दी। पिछले मई में कर्नाटक में अपनी जीत के बाद, नवंबर में पांच अन्य विधानसभाओं के लिए विधानसभा चुनाव होने तक, कांग्रेस ने गठबंधन की बातचीत और रणनीति बैठकों को ठंडे बस्ते में डाल दिया। यह शायद गठबंधन के भीतर सीटों के लिए बेहतर सौदेबाजी की उम्मीद में था। जब दिसंबर में नतीजे पार्टी के लिए निराशाजनक रहे, तो ऐसा नहीं लगा कि उसके पास गठबंधन का कोई प्लान बी है। शायद कांग्रेस को इस बात से भी डर लग रहा था कि उसके कई सहयोगियों ने खुले तौर पर इस बात की वकालत की थी कि उसे केवल उन्हीं सीटों पर लड़ना चाहिए, जिन पर वे हैं। 2019 में भाजपा से सीधा मुकाबला। इसका मतलब होगा लगभग 200 से अधिक सीटें। पार्टी को यह अपने सहयोगियों द्वारा अपनी राष्ट्रीय छाप को कम करने के एक अप्रत्यक्ष प्रयास के रूप में प्रतीत हुआ होगा। नीतीश जैसे नेताओं ने तो एक सीट पर एक विपक्षी उम्मीदवार की वकालत भी की थी. आखिरी कील राहुल गांधी की क्रॉस–कंट्री पदयात्रा, भारत जोड़ो न्याय यात्रा का दूसरा चरण था। इससे सहयोगी दलों को यह स्पष्ट हो गया कि कांग्रेस गठबंधन या चुनावी खेल को लेकर गंभीर नहीं है। उस संक्षिप्त अवधि के दौरान जब विपक्षी गठबंधन जीवित दिख रहा था, अगर लोगों ने सोचा कि वे धर्मनिरपेक्ष राजनीति के लिए एक साथ खड़े हैं तो यह एक सरल निष्कर्ष था। विपक्ष को सकारात्मक एजेंडे से अधिक नकारात्मक एजेंडे द्वारा परिभाषित किया गया है। यह वही गलती थी जो उन्होंने 1971 में की थी, जब वे इंदिरा गांधी को बाहर करना चाहते थे दृ नारा था 'इंदिरा हटाओ'। कांग्रेस ने बड़ी चतुराई से इसे 'गरीबी हटाओ' कह दिया था। कुछ–कुछ ऐसा ही कार्ड मोदी ने खेला है. जितना विपक्ष ने इसे उनके 'सत्तावादी' और 'नार्सिसिस्टिक' गुणों के बारे में बताया है, उन्होंने तेजी से राष्ट्र, इसके सभ्यतागत आत्मसम्मान और आर्थिक गौरव का आह्वान किया है। उन्होंने खुद को अतीत में देश को एक कल्पित स्वर्ण युग में वापस लाने के लिए चुने गए व्यक्ति की तरह पेश किया है। विपक्ष ने हमेशा बहिष्कार के आहार पर काम किया है जिसे वैचारिक एकता के रूप में नहीं पढ़ा जा सकता है। यदि किसी ने ध र्मनिरपेक्षता के प्रति उनकी दिखावटी बातों को गंभीरता से लिया है, तो यह बात तब उड़ गई जब अयोध्या में राम मंदिर पर उनकी प्रतिक्रिया मौन रही।

मराठा विभाजन का कष्टदायक मार्ग

सुरेश

देश ने मंगलवार को राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी में जो औपचारिक विभाजन देखा, उसकी तैयारी लंबे समय से चल रही थी। यह भ्रमित जातिगत पहचान, चालाक कोटा गणना, विकसित होती दलगत राजनीति और बढ़ती व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं की कहानी है। यह कहा जा सकता है कि मौजूदा गतिरोध की ओर बढ़ने की शुरुआत 1990 के दशक में हुई थी। उस युग में, आरक्षण के मुद्दे ने गरीब मराठों और अमीर मराठों, मराठों और कुनबियों, मराठों और ओबीसी, और मराठों और उच्च जातियों को विभाजित कर दिया। जैसे ही कैबिनेट पदों को लेकर भी सत्ता संघर्ष छिड़ गया, राजनीतिक और सामाजिक कारक आपस में जुड़ गए, जिसके परिणामस्वरूप और जटिलताएँ पैदा हुईं। जब मराठा समुदाय किसी न किसी मुद्दे पर विभाजित हो गया तो यह भाजपा के लिए उपयुक्त था। इससे पहले, जब शशिकांत पवार, अन्नासाहेब पाटिल और विनायक मेटे ने आरक्षण की मांग शुरू की थी, तब भाजपा (तब जनसंघ) ने उनके साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए रखे थे। मराठों के पक्ष में बोलने वाले चार उप–समूह थे। लेकिन जब उनके एक समूह के रूप में एकजुट होने की संभावनाएं पैदा हुईं, तो भाजपा के उच्च–जातीय आधार ने इसे प्रभुत्व के लिए खतरे के रूप में देखा। दूसरी ओर, सामान्य तौर पर अपने समुदाय के लिए आरक्षण का समर्थन करने के बावजूद, मराठा नेताओं ने खुद हमेशा उस तरह के आरक्षण पर नजर नहीं डाली है जिससे वे खुश हैं दृ शरद और अजीत पवार जैसे लोग उनके समर्थन में बहुत मुखर होने से बचते रहे हैं ओबीसी टैग के लिए. जबकि मनोज जरांगे पाटिल इस दावे का समर्थन करते रहे कि मराठा कुनबी हैं, और इसलिए पिछड़ी जाति हैं। इससे कोई फायदा नहीं हुआ कि शरद पवार, जो खुद को राज्य में व्यापक आधार वाले जन नेता और राष्ट्रीय महत्व के खिलाड़ी के रूप में देखते हैं, ने छग्गन भुजबल को डिप्टी बनाने पर जोर दिया, जब अजित पवार मुख्यमंत्री की कुर्सी पर थे। और एक दरार बन गई, जो अन्य शक्ति खिलाड़ियों के खिंचाव और दबाव से एक खाई बन गई। इसके पीछे मराठा समुदाय की अपनी पहचान की कहानी है। कोटा विवाद इस बात पर गरमा गया है दृ और कभी–कभी इस बात पर भी उबलता है कि वे किस कोटा समूह से संबंधित होना चाहते हैं। मराठा समुदाय के अलावा, इस मुद्दे ने पार्टियों, सरकारों, जाति संगठनों, अन्य ओबीसी समुदायों, पिछड़ा वर्ग आयोग, अदालतों और मीडिया को उलझा दिया है। इन सभी ने आज की राजनीति के आलोक में पुराने प्रश्न को नया आकार दिया है। दो महत्वपूर्ण प्रश्न बचे हैं. एक, सामाजिक दृष्टि से मराठा कौन हैं? दो, मराठों को किस कोटे के अंतर्गत शामिल किया जाना चाहिए? ये दो सवाल महाराष्ट्र की राजनीति को आकार देते रहे हैं. क्या ओबीसी कोटा के तहत मराठा समुदाय के दावे का कोई ऐतिहासिक आधार है? यदि मराठों की पहचान कुनबी के रूप में की जाती है, तो इसका मतलब यह होगा कि वे एक ओबीसी समूह हैं। लेकिन 1950 और 1989 के बीच, मराठा समुदाय ने खुद को ओबीसी समूह होने का दावा नहीं किया। ओबीसी के लिए समुदाय का दावा भी कई बार खारिज किया गया है। पहले काकासाहेब कालेलकर समिति और बाद में मंडल आयोग ने मराठा समुदाय को ओबीसी श्रेणी में शामिल नहीं किया। उस समय, मराठा जाति संगठनों सहित मराठा समुदाय ने ओबीसी कोटा के तहत शामिल करने के लिए आक्रामक रूप से जोर नहीं दिया।

तो इस लिहाज से ये एक अनैतिहासिक दावा है. और पाटिल ने ओबीसी कोटा के तहत शामिल करने की मांग करते समय इस प्रारंभिक इतिहास को नजरअंदाज कर दिया है। 1990 के दशक से लेकर वर्तमान तक, विभिन्न सरकारों ने मराठों के लिए नए आरक्षण की व्यवस्था करने के प्रयास किए हैं। 2004 में सुशील कुमार शिंदे सरकार ने मराठों को ओबीसी कोटा में शामिल करने का फैसला किया. लेकिन एक अदालत ने राज्य सरकार के फैसले को खारिज कर दिया. अदालतों और राज्य सरकार के बीच एक बड़ा संघर्ष शुरू हो गया। बाद में, बापट, राणे, खत्री और मारुति गायकवाड़ आयोग ने कोटा की नई श्रेणियां स्थापित करने का प्रस्ताव रखा। सिफारिशों में एक विशेष पिछड़ा वर्ग (एसबीसी) और एक सामाजिक–शैक्षिक पिछड़ा वर्ग (एसईबीसी) शामिल थे। इसके बजाय, भारत सरकार ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) कोटा बनाया। जबकि अदालतों ने केंद्र सरकार के ईडब्ल्यूएस कोटा को बरकरार रखा, महाराष्ट्र सरकार द्वारा बनाए गए एसबीसी और एसईबीसी कोटा को रद्द कर दिया गया और इन कोटा के तहत आरक्षण को अमान्य कर दिया गया। नए कोटा में राजनीतिक भागीदारी का मुद्दा शामिल नहीं किया गया था दृ केवल रोजगार और शिक्षाय अदालत ने दोनों उपकरणों को भी अमान्य कर दिया।

मोदी के आत्मविश्वास से भरा आमचुनाव का गणित

ललित

लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर हुई चर्चा के समय विपक्ष की ओर से उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आत्मविश्वास एवं कर्मठता से भरकर कहा कि मैं ऐसे ऑकड़ों में नहीं पड़ता लेकिन मैं देख रहा हूं कि देश का मिजाज भारतीय जनता पार्टी को 370 और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को 400 से ज्यादा सीटें पार करवाकर रहेगा। भाजपा इस बार चुनावों में 400 पार का नारा दे रही है। 2019 चुनावों में भाजपा ने 303 सीटें जीती थीं। निश्चित ही इतने बड़े आंकडे की घोषणा करने के पीछे नरेन्द्र मोदी की सकारात्मक सोच, विकास की राजनीति एवं राष्ट्र–विकास का संकल्प है, वहीं विपक्ष एवं कांग्रेस की नकारात्मक सोच, विरोध के लिए विरोध और विभाजनकारी रवैया उसके लगातार कमजोर होने के कारण हैं। प्रधानमंत्री ने सीटों का जो आकलन किया है, वह सिर्फ इस बात का संकेत है कि भाजपा अपने तीसरे कार्यकाल को लेकर पूरी तरह आश्वस्त है। उन्होंने उन अटकलों पर भी विराम लगा दिया, जिनमें कहा जा रहा है कि इंडिया गठबंधन के रूप एकजुट हुआ विपक्ष उनको चुनौती देगा, क्योंकि विपक्षी एकजुटता बिखर चुकी है। मोदी ने संसद के भीतर जब अपने चुनावी लक्ष्य की बात कही तो इसने भाजपा कार्यकर्ताओं को ऊर्जा से भर दिया, वहीं विपक्ष के सामने आत्मचिन्तन का अवसर प्रदत्त किया। कांग्रेस को 10 साल के दौरान अच्छा विपक्ष बनने का मौका मिला लेकिन इसमें वह पूरी तरह विफल रही। स्वयं तो विफल रही ही, बल्कि विपक्ष में भी कुछ होनहार लोगों को उभरने नहीं दिया। कांग्रेस की नकारात्मक एवं संकीर्ण राष्ट्र–विरोधी राजनीति को देश की जनता महसूस करने लगी है। कांग्रेस किस तरह नकारात्मक राजनीति का शिकार है यह लोकसभा में ही तब देखने को मिला जब सदन में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने बालाकोट में की गई एयर स्ट्राइक पर सवाल खड़े किए। ध्यान रहे ऐसे ही सवाल पाकिस्तान खड़े करता रहा है। आखिर उन्हें पाकिस्तान के स्वरों में स्वर मिलाने एवं उसको रास आने वाला बयान देने की जरूरत क्यों पड़ गई? ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, वह बार–बार कभी पाकिस्तान तो कभी चीन की तरफदारी करती रही है। मोदी विरोध के नाम पर वह राष्ट्र–विरोध पर उतरती रही है। प्रधानमंत्री मोदी के इस विश्वास एवं दृढ़ता की अनेक वजहें है। एक बड़ी वजह हाल ही में साल 2023 के विधानसभा चुनावों में भाजपा की शानदार जीत दर्ज करना भी है। विशेषकर मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ का परिणाम तो कल्पना से भी बाहर था। दूसरी वजह, रामलला की प्राण–प्रतिष्ठा ने लोगों में एक नए जोश का संचार किया है। अंतरिम बजट में ही जिस तरह से आने वाले कुछ महीनों को लेकर नीतियों का एलान किया गया है, वह संकेत है कि भाजपा अपनी जीत को लेकर काफी आश्वस्त है। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में मोदी के नेतृत्व में ऐतिहासिक एवं चमत्कारी जीत की संभावनाओं की और भी वजहें हैं, जिनमें प्रधानमंत्री के कार्यकाल की सुखद एवं उपलब्धिभरी प्रतिध्वनियां हैं, जैसे चांद एवं सूर्य पर विजय पताका फहरा देने के बाद धरती को स्वर्ग बनाने की मुहीम चल रही है, राष्ट्रीय जीवन में विकास की नयी गाथाएं लिखते हुए भारत को दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनाने की ओर अग्रसर करना है। भारत अब विश्व–गुरु भी बनने की ओर गतिशील है। गत वर्ष 9 एवं 10 सितम्बर को जी–20 देशों का महासम्मेलन भारत में सफलतापूर्वक सम्पन्न होना भी भारत की विश्व स्तर पर मजबूत होने की स्थिति को दर्शा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस जिम्मेदारी को संभालने का अर्थ था भारत को सशक्त करने के साथ–साथ दुनिया को एक नया चिन्तन, नया आर्थिक धरातल, शांति एवं सह–जीवन की संभावनाओं को बल देना। नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा घोषित नई शिक्षा नीति की उपयोगिता एवं प्रासंगिकता धीरे–धीरे सामने आने लगी है एवं उसके उद्देश्यों की परते खुलने लगी है। भाजपा इसलिए भी आशान्वित है, क्योंकि जिस विपक्षी एकता की बात 2023 के मध्य से चल रही थी, उसमें दरारे पड़ती ही जा रही है। तमाम विपक्षी पार्टियां अपने–अपने ढंग से चुनाव लड़ने को तैयार हैं और कांग्रेस से उनकी खींचतान चल रही है।

फिर, जहां–जहां भारतीय जनता पार्टी के लिए मुश्किलें खड़ी हो सकती थीं, वहां पार्टी ने अपने अनवरत प्रयासों से खुद को मजबूत बना लिया है, फिर चाहे वह महाराष्ट्र हो या बिहार। कांग्रेस एवं विपक्षी दलों के पास भाजपा एवं मोदी विरोध का कोई सशक्त धरातल एवं मुद्दें नहीं है। वैसे तो हर एक का जीवन अनेकों विरोधाभासों एवं विसंगतियों से भरा रहता है। लेकिन कांग्रेस का हर दिन कई विरोधाभासों के बीच बीत रहा है। कांग्रेस की उल्टी गिनतियां चल रही हैं। उसकी उल्टी गिनती तो लम्बी चलेगी। पर जनता के दिमाग में एक बात गहरे तक बैठी हुई है कि मोदी के नेतृत्व में सब कुछ बदल जाएगा, भारत सशक्त हो जायेगा, सब कुछ अच्छा हो जाएगा एवं सब कुछ श्रेष्ठ हो जाएगा। इसके विपरीत कांग्रेस की जनता पर पकड़ ढ़िली पड़ती जा रही है, उसके बयानों में कोई बुनियादी मुद्दें नहीं होते, बार–बार

बेरोजगारी की चर्चा सुनने को मिलती है, जबकि 2014 से पहले इंफ्रास्ट्रक्चर का बजट केवल 12 लाख करोड़ के आसपास था। बीते 10 सालों में बजट बढ़कर 44 लाख करोड़ हो गया है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि देश में कितनी नौकरियां पैदा हुई होंगी। आज युवाओं के लिए जितने नए अवसर बने हैं, ये पहले कभी नहीं बने। आज चारों तरफ स्टार्टअप्स की गूंज है, यूनिकॉर्न्स चर्चा में है। 2014 के पहले डिजिटल इकोनॉमी का साइज ना के बराबर था। आज भारत, दुनिया की अग्रणी डिजिटल इकोनॉमी है।

पुलिस मुठभेड़ में गोतस्कर गिरफ्तार, एक फरार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। चन्दवक व केराकत पुलिस टीम के साथ गुरुवार भोर में हुई संयुक्त मुठभेड़ में एक अन्तर्जनपदीय गोतस्कर अभियुक्त गिरफ्तार किया गया है। मुठभेड़ के दौरान अभियुक्त गोली लगने से घायल हो गया। इसके कब्जे से एक देशी तमंचा व एक जिन्दा कारतूस व एक खोखा कारतूस .315 बोर व एक मोटरसाइकिल बरामद किया है। घटना के संबंध में गुरुवार को जानकारी देते हुए क्षेत्राधिकार केराकत गौरव कुमार शर्मा ने बताया कि डा0 अजय पाल शर्मा, पुलिस अधीक्षक द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण एवं गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर के दिशा निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी केराकत के नेतृत्व में थानाध्यक्ष चन्दवक व केराकत क्षेत्र में अपराधियों की गिरफ्तार के लिये प्रयास कर रहे थे।इसी दौरान संदिग्ध व्यक्तिध्वाहन की चेकिंग के दौरान एक मोटरसाइकिल पर दो व्यक्ति आते हुए दिखाई दिये, जिन्हें रोकने का प्रयास किया गया तो अभियुक्तगण द्वारा पुलिस बल पर जान से मारने की नियत से फायर किया गया, जिसके जवाबी कार्यवाही में दोनो संयुक्त टीम द्वारा फिल्ड क्राफ्ट का प्रयोग करते हुए आत्मरक्षार्थ जबाबी फायर किया गया, जिससे एक अभियुक्त के पैर के घुटने के नीचे गोली लगी और गिर गया तथा दूसरा अभियुक्त फरार हो गया। घायल अभियुक्त गिरफ्तार करते हुए नाम पता पूछने पर अपना नाम– जमालू नट 42 वर्ष पुत्र स्व0 शिवबल नट निवासी ग्राम– तरॉव थाना– चन्दवक बताया, जो थाना का हिस्ट्रीशीटर है जिसके कब्जे से दो तमंचा कारतुस एक बाइक बरामद किया गया है। घायल अभियुक्त को इलाज हेतु अस्पताल भेजा कर अन्य विधिक कार्यवाही की जा रही हैं। फरार अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए प्रयास किया जा रहा है।

लोकसभा चुनाव में सभी सीटें एनडीए के खाते में जाएंगी – पप्पू माली

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अपना दल एस पार्टी जौनपुर जिला कार्यालय वाजिदपुर में गुरुवार को मासिक बैठक आयोजित हुई।बैठक का शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पार्टी के राष्ट्रीय सचिव पप्पू माली ने डॉ भीमराव अंबेडकर, सरदार पटेल व डॉ.सोनेलाल पटेल के चित्र पर माल्यार्पण करके किया। राष्ट्रीय सचिव ने कहा कि देश के महत्वपूर्ण और विकास के मुद्दों पर बेबाकी और मजबूती से सदन में आवाज उठाने वाली अनुप्रिया पटेल ही पिछड़ों,दलितों और अल्पसंख्यकों की आवाज उठाने वाली लोकप्रिय जननेत्री हैं। श्री माली ने कहा कि बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री ,जननायक कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न की मांग किया।केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने पूरे देश में नाई समाज ही नहीं बल्कि संपूर्ण पिछड़ी जाति का सम्मान बढ़ाने का काम किया। पीएम मोदी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष की मांग को प्रमुखता देते हुए कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न से नवाजा। राष्ट्रीय सचिव ने पार्टी की तरफ से प्रधानमंत्री के प्रति आभार जताया। पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष हर जाति वर्ग के हित के लिए आवाज उठाने के लिए विशेष रूप से लोकप्रिय हैं। उन्होंने कहा कि वह पिछड़े और दलितों के लिए एकमात्र चेहरा हैं। उन्होंने कहा कि आगामी 2024 का लोकसभा चुनाव में सभी सीटें एनडीए के खाते में जाएंगी। 2024 में मोदी के नेतृत्व में एनडीए की पुनः सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि एनडीए गठबंधन के प्रत्याशी को सभी बूथ अध्यक्ष अपने–अपने बूथ पर जि ताने का दृढ़ संकल्प लें तभी जीत सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि अपना दल कम से कम पांच सीटों पर चुनाव लड़ेगी जिसमें जीत दर्ज होगी। पवन प्रजापति, पीके टायर, विजय प्रजापति , संतोष कुमार, संजय मिश्रा ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष शिव नायक पटेल व संचालन जिला उपाध्यक्ष संदीप पटेल ने किया। इस अवसर पर गोकर्ण पटेल, लाल प्रताप पाल, हरिहर प्रसाद पटेल इंजीनियर संजय पटेल, डॉ नागेंद्र पटेल,मानसिंह पटेल जयप्रकाश पटेल राम समाज गौतम योगी आदित्यनाथ बिना आदि उपस्थित रहे।

7.43 करोड़ से सात संपर्क मार्गों का होगा नवनिर्माण

उन्नाव, संवाददाता। लंबे समय से खस्ताहाल पड़े जिले के सात प्रमुख संपर्क मार्गों के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। इसके लिए बजट जारी कर दिया गया है। लोक निर्माण विभाग ने जल्द संपर्क मार्गों का निर्माण कार्य शुरू करने के लिए टेंडर निकाले हैं। जिले में दो क्षेत्रों को जोडने वाले कई ऐसे संपर्क मार्ग हैं जो लंबे समय से खस्ताहाल हैं। इन पर आवागमन करने में लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई मार्ग तो पूरी तरह से गड्ढों में समाए हुए हैं। कहीं पर गिट्टियां बाहर झांकने लगी हैं। इसी साल की शुरुआत में पीडब्ल्यूडी ने सर्वे कराकर इन मार्गों का चिह्नांकन कराया था। इनमें अभी सात मार्गों का चयन किया गया। इन मार्गों के निर्माण का प्रस्ताव बनाकर मुख्यालय भेजा गया। अब शासन से 25.4 किमी लंबे इन मार्गों के नवनिर्माण के लिए 7.43 करोड़ करोड़ का बजट स्वीकृत किया गया है। पीडब्ल्यूडी प्रांतीय खंड के अधिशासी अभियंता हरदयाल अहिरवार ने बताया कि टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। जल्द ही निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा।

दो लाख की आबादी को मिलेगा लाभ

इन सात मार्गों का डामरीकरण कराया जाएगा। इसमें सदर, पुरवा व भगवंतनगर विधानसभा के दो क्षेत्रों को जोड़ने वाले ध्वस्त मुख्य मार्ग शामिल किए गए हैं। इससे करीब दो लाख की आबादी को फायदा मिलेगा। इससे आवागमन सुलभ होगा।

मिसाइल तकनीकी में पालीमर नैनो कंपोजिट की भूमिका महत्वपूर्ण - डा0 मयंक द्विवेदी

फंक्शनल मैटेरियल रक्षा और ऊर्जा क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण – प्रो वंदना सिंह
फंक्शनल पदार्थ पर शोध व पेटेंट समय की आवश्यकता – प्रो राजाराम यादव
फंक्शनल मैटेरियल पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का हुआ उद्घाटन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर स्थित प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान तथा एशियन पॉलीमर एसोसिएश, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में फंक्शनल मैटेरियल पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन गुरुवार को किया गया। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि रक्षा सामग्री एंव भण्डार अनुसंधान तथा विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई), रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन, (डीआरडीओ) कानपुर के डॉ. मयंक द्विवेदी ने कहा कि फंक्शनल पदार्थ का उपयोग करके युद्ध क्षेत्र में सैनिकों की रक्षा हेतु बुलेट प्रूफ जैकेट का निर्माण किया जा रहा है। फंक्शनल पदार्थ और पॉलीमर से बने बुलेट प्रूफ जैकेट वजन में हल्के होने के कारण सैनिकों हेतु सुविधाजनक होते हैं। उन्होंने कहा कि इस समय डीआरडीओ के द्वारा फंक्शन पदार्थ का प्रयोग करके वजन में विश्व में सबसे हल्के लेवल सिक्स बुलेट प्रूफ जैकेट का निर्माण किया जा रहा है जो की 6 स्नाइपर बुलेट व एलएमजी बुलेट का प्रतिरोध करने में सक्षम है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. राजाराम यादव ने फंक्शनल पदार्थ के आर्थिक महत्वों पर विस्तार से चर्चा किया । उन्होंने कहा कि किस प्रकार फंक्शनल पदार्थ पर शोध व पेटेंट कर हम विश्वविद्यालय को आर्थिक रूप से सशक्त बना सकते हैं । उन्होंने अपने अनुभव को साझा करते हुए विभिन्न प्रकार के फंक्शनल पदार्थ के विभिन्न प्रकार के उपयोग पर विस्तृत चर्चा किया । सम्मेलन के संरक्षक और आईआईटी दिल्ली के प्रोफेसर व एशियन पॉलीमर एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रो. भुवनेश गुप्ता ने पॉलीमर की विभिन्न आयामों पर चर्चा किया तथा उन्होंने छात्रों को पॉलीमर के क्षेत्र में शोध से जुड़ने हेतु प्रेरित किया। प्रो गुप्ता ने एशियान पॉलीमर एसोसिएशन के स्थापना के संबंध में संबंध में कहा कि हमारा संगठन अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पॉलीमर के विकास के क्षेत्र मे कार्य कर रहा है। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कर रहीं व सम्मेलन की मुख्य संरक्षक वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि फंक्शनल पदार्थ वर्तमान समय में विभिन्न क्षेत्रों में प्रयोग किये जा रहे हैं। पॉलीमर नैनो कंपोजिट का प्रयोग रक्षा क्षेत्र, संपोषणीय पर्यावरण विकास, उर्जा क्षेत्र, उत्प्रेरक आदि में किया जा रहा है। प्रो वंदना सिंह ने कहा कि फंक्शनल पदार्थ के क्षेत्र में यह सम्मेलन विज्ञान के क्षेत्र में विश्वविद्यालय को आगे ले जाएगा। प्रो.सिंह ने आयोजन समिति को शानदार सम्मेलन आयोजित करने के लिए बधाई व शुभकामनाएं दी। रज्जू भैया संस्थान के निदेशक व सम्मेलन के संयोजक डॉ. प्रमोद कुमार यादव ने अतिथियों का स्वागत किया। डॉ यादव ने बताया कि विभिन्न राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय संगठनों के सहयोग से तीन दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है । उद्घाटन सत्र का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन आयोजन सचिव डॉ. नितेश जायसवाल ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव महेंद्र कुमार, वित्तअधिकारी संजय कुमार राय, प्रो. वंदना राय, प्रो अशोक श्रीवास्तव, प्रो अविनाश, प्रो. देवराज सिंह, प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. मिथिलेश सिंह, डॉ.गिरधर मिश्रा, डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ मिथिलेश यादव डॉ. पुनीत धवन, डॉ.दिनेश वर्मा, डॉ. अजीत सिंह, डॉ. श्याम कन्हैया सिंह डॉ. शशिकांत यादव, डॉ.नीरज अवस्थी, डॉ. सुजीत कुमार चौरसिया, डॉ. काजल कुमार डे, डॉ. धीरेंद्र चौधरी व बड़ी संख्या में प्रतिभागी उपस्थित रहे। यह तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, साइंस एंड इंजीनियरिंग रिसर्च बोर्ड (सर्ब), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, रक्षा एवं विकास अनुसंधान संगठन (डीआरडीओ), रक्षा मंत्रालय, तथा वैज्ञानिक एवं औद्योगिक की अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के द्वारा प्रायोजित है। उद्घाटन सत्र में सम्मेलन की स्मारिका का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. नितेश जायसवाल एवं डॉ. सुजीत चौरसिया द्वारा संपादित पुस्तक एडवांसमेंट इन फंक्शनल मैटेरियल का अतिथियों द्वारा विमोचन किया गया।

परीक्षा केंद्रों की तैयारी आधी अधूरी, व्यवस्थापकों को चेतावनी मिली

जौनपुर, संवाददाता। यूपी बोर्ड परीक्षा को लेकर केंद्रों पर अभी तैयारी पूरी नहीं हुई है। चाहे सीसीटीवी हो या फिर स्ट्रांग रूम की व्यवस्था हो। साफ सफाई की हालत भी ठीक नहीं है। मंगलवार की उपमंडलीय निदेशक व राज्य स्तरीय नोडल कोमल यादव के निरीक्षण में खामी पाई गई। उन्होंने केंद्र व्यवस्थापकों को चेतावनी दी की यदि व्यवस्था नहीं सुधरी तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

इस दौरान सात परीक्षा केंद्रों की खराब पाई गई। जिले के नोडल अधिकारी व मिर्जापुर मंडल के डीडीआर कोमल यादव ने मंगलवार को जिले के सात परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान परीक्षा केंद्रों पर तैयारी आधी–अधूरी मिली। कहीं एक ही सीसी टीवी कैमरा लगा मिला तो कहीं स्ट्रांग रूम की हालत ठीक नहीं है। किसी केंद्र पर तो गंदगी का माहौल मिला। डीडीआर ने डीआईओएस अशोक नाथ तिवारी से कहा कि वह केंद्र व्यवस्थापकों को निर्देश जारी कर व्यवस्था को ठीक कराएं। मंगलवार को डीडीआर कोमल यादव ने जीजीआईसी, शिया इंटर कालेज, राज इंटर कालेज, जीजीआईसी जफराबाद, हरगोविंद इंटर कालेज जफराबाद, केपी पांडेय इंटर कालेज जफराबाद केंद्र का निरीक्षण किया। इन केंद्रों पर स्थिति बेहद खराब मिली। केंद्र व्यवस्थापकों को निर्देश दिया कि दो दिन के अंदर अपनी व्यवस्था सुधार लें, अन्यथा दोबारा जांच में तैयारी पूरी नहीं मिली तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। डीडीआर के जांच से मंगलवार को अन्य परीक्षा के केंद्र व्यवस्थापकों में अफरा–तफरी का माहौल रहा।

सामुदायिक शौचालयों के सत्यापन में मिली खामियां

उन्नाव, संवाददाता। डीपीआरओ ने कई ग्राम पंचायतों का औचक निरीक्षण कर सामुदायिक शौचालयों का सत्यापन किया। जिला पंचायतराज अधिकारीने ग्राम पंचायतों का औचक निरीक्षण किया। ओरहर ग्राम पंचायत की सामुदायिक शौचालय में ताला खुला मिला पर केयरटेकर नहीं मिला। साफ सफाई संतोषजनक नहीं मिली। तौरा ग्राम पंचायत में सामुदायिक शौचालय खुला पाया गया। यहां भी केयरटेकर अनुपस्थित मिले। फोन पर बताया कि बार–बार चोक हो जाने के कारण सामुदायिक शौचालय 10–15 दिनों के लिए बंद करना पड़ता है।

बदलापुर का तियरा बनेगा पहला प्लास्टिक मुक्तगांव

जौनपुर, संवाददाता। बदलापुर की तियरा ग्राम पंचायत जिले का पहला प्लास्टिक मुक्त गांव बनेगा, इससे ग्राम पंचायत की आर्थिक स्थिति सुधरेगी। यहां पर प्लास्टिक बेस्ट मैनेजमेंट(प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन प्लांट) स्थापित किया जाएगा। इसके निर्माण लिए पंचायती राज विभाग ने 16 लाख रुपये की धनराशि जारी कर दी गई है। ग्रामीण क्षेत्रों को मॉडल बनाकर उनमें ठोस अपशिष्ट, तरल अपशिष्ट एवं मलीय कचरा प्रबंधन जैसे कार्य कराए जाएंगे। जनपद में सबसे पहले विकास खंड बदलापुर के तियरा गांव में प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन प्लांट की स्थापना की जा रही है। 16 लाख रुपये की लागत से यूनिट तैयार किया जाएगा। जिसमें आठ लाख रुपये लागत से भवन का निर्माण किया जाएगा, बाकी धनराशि से मशीनें खरीदी जाएगी। इस योजना में ग्रामीण इलाकों में एक रूट चार्ट तैयार कर वाहनों से प्लास्टिक के कचरे को यूनिट तक लाया जाएगा। इस प्लास्टिक को रिसाइकिल कर पुनरू प्रयोग किया जाएगा। प्लास्टिक से न केवल शहर में नालियां बंद हो जाती है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी खेतों की उर्वरक क्षमता इससे कम हो जाती है। यही वजह है कि सरकार भी अब इस पर गंभीर हो गई है। मार्च के लास्ट सप्ताह तक यूनिट की स्थापना कर दी जाएगी। कचरा प्रबंधन के तहत अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई से पृथक हुए प्लास्टिक के बोतल पॉलीथिन, चिप्स, नमकीन आदि के रैपर को इकट्ठा कर यूनिट में लाया जाएगा। यहां इसका निस्तारण किया जाएगा। इसके तहत प्लास्टिक के छोटे–छोटे टुकड़ों को काटकर बेंच दिया जाएगा।

विभिन्न राजनीतिक दलों के कई नेताओं ने भाजपा का दामन थामा

सुल्तानपुर– विभिन्न राजनीतिक दलों के कई नेताओं ने भाजपा का दामन थामा। जिला पंचायत अध्यक्ष व बल्दीराय ब्लाक प्रमुख शिवकुमार सिंह के नेतृत्व में जिला पंचायत सदस्य नरेश चंद्र उपाध्याय उर्फ दीपू, जिला पंचायत सदस्य सुग्रीव,जिला पंचायत सदस्य चांदनी किन्नर,जिला पंचायत सदस्य अभय सिंह,जिला पंचायत सदस्य अनीता सोनकर, लम्भुआ नगर पंचायत अध्यक्ष अवनीश सिंह उर्फ अंगद व अन्य कार्यकर्ताओं को उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक व उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की मौजूदगी में भाजपा की सदस्यता दिलाई गई।भाजपा के प्रदेश कार्यालय में आयोजित सदस्यता ग्रहण समारोह में सभी को भाजपा की सदस्यता दिलाई गई।

भाजपा पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने दूसरे दलों से आए नेताओं का पार्टी में स्वागत किया।भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने उन्हें पार्टी का पटका पहनाकर स्वागत किया।

प्रो. सूर्य प्रसाद दीक्षित की अध्यक्षता एवं डा. अमिता दुबे के संचालन में सत्या जी की कृतियाँ मैं हूँ ना, दम तोड़ते सपनों का शहर कोटा, अनाम पातियाँ, महाभारत की प्रबुद्ध महिलाएं एवं भारतीय कानून में महिलाओं के अधिकार का लोकार्पण साहित्यकारों द्वारा किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। पूर्व पुलिस अधिकारी और साहित्यकार तथा समाज सेविका डॉ. सत्या सिंह की सद्यः प्रकाशित पांच पुस्तकों का लोकार्पण समारोह हिन्दी संस्थान के निराला राज मौहिक सम्पन्न हुआ। प्रो. सूर्य प्रसाद दीक्षित की अध्यक्षता एवं डॉ. अमिता दुबे के संचालन में सत्या जी की कृतियाँ मैं हूँ ना, दम तोड़ते सपनों का शहर कोटा, अनाम पातियाँ, महाभारत की प्रबुद्ध महिलाएं एवं भारतीय कानून में महिलाओं का लोकार्पण साहित्यकारों द्वारा किया गया। इस अवसर पर कृतियों पर हुई चर्चा का विषय प्रवर्तन करते हुए डॉ. राम बहादुर मिश्र ने कहा कि सेवानिवृत्ति के पश्चात 6 वर्षों में सत्या जी ने 20 पुस्तकों का सृजन किया जिसमें विषय वैविध्य है। प्रकाशित कृति में हूं ना! पर अपने विचार व्यक्त करते हुए अरुण सिंह ने कहा कि एक उद्देश्यपरक संतुलित जीवन के लिए सकारात्मकता, क्रोध भय एवं तनाव पर नियंत्रण उचित नजरिया आदि की गहरी समझ के साथ विवेचना की गई है। अनाम पातियाँ (काव्य संग्रह) की रचनाओं को भोगे हुए यथार्थ का सजीव चित्रण बताते हुए रवीन्द्र प्रभात ने कहा कि सत्या सिंह की कविताएं जीवनानुभवों से जुड़ी है। विधिविद् श्रीयुत महेन्द्र भीष्म ने भारतीय कानून में महिलाओं के अधिकार पर अपना मंतव्य देते हुए कहा कि गागर में सागर की तरह सुलभ सरल भाषा में लिखी यह पुस्तक देश के कानून– पुलिस की कार्यशैली उनके व्यवहार दायित्व से परिचय कराती है। वरिष्ठ साहित्यकार दयानन्द पाण्डेय ने श्दम तोड़ते सपनों का शहर कोटाश पुस्तक पर अपना वक्तव्य देते हुए कहा कि कोटा इंजीनियरिंग और मेडिकल कोचिंग का हब बन चुका है। इन कोचिंग संस्थानों द्वारा अभिभावकों का अंधाधुंध आर्थिक शोषण बदस्तूर जारी है। आर्थिक शोषण तो गौण है लेकिन जिस समस्या ने भयावह रूप धारण कर लिया है बच्चों द्वारा आत्महत्यया रूपी महामारी। वरिष्ठ कवि सर्वेश अस्थाना ने डॉ. सत्या सिंह के साहित्यिक अवदान की चर्चा करते हुए कहा – सत्या जी ने कविता, कहानी, निबंध और सामाजिक विसंगतियों पर बहुत ही प्रभावशाली ढंग से लिखा है।

डॉ. मिथिलेश दीक्षित ने सत्या सिंह के दो हाइकु काव्य संग्रह पर चर्चा की।

समारोह के अध्यक्ष प्रो. सूर्य प्रसाद दीक्षित ने पांचवीं पुस्तक महाभारत की प्रबुद्ध महिलाएं पर अपना सारगर्भित वक्तव्य देते हुए वैदिक कालीन और महाभारत कालीन नारियों के वैदुष्य और उनकी सामाजिक स्वीकृत पर विस्तार पूर्वक चर्चा की। इसके अतिरिक्त डॉ. विनोदचन्द्रा एवं डॉ. मिथिलेश दीक्षित ने भी अपने विचार व्यक्त किए। सबके प्रति आभार प्रदर्शन डॉ. सत्या सिंह ने किया।

तीन बदमाश और गिरफ्तार, तीन पहले ही चढ़ चुके हत्थे

सहारनपुर, संवाददाता। कोतवाली मंडी पुलिस ने मदनपुरी कॉलोनी में बेकरी कारोबारी के घर लूट करने वाले तीन और बदमाशों को गिरफ्तार किया है, जबकि इनके दो साथी 25 हजार के इनामी जहांगीर, नवीन और सौरभ को देहरादून के थाना विकासनगर पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस ने एक तमंचा, चाकू और 33600 की नकदी बरामद की। एसपी सिटी अभिमन्यु मांगलिक ने पत्रकार वार्ता में बताया कि मदनपुरी कॉलोनी निवासी कारोबारी युधिष्ठिर ठक्कर के घर घुसकर चार बदमाशों ने सवा लाख की नकदी और सोने की अंगूठी लूट ली थी। कोतवाली मंडी पुलिस सोमवार की रात शकलापुरी रोड पर वाहनों की चेकिंग कर रही थी। पुलिस ने आसमोहम्मद निवासी गांव मुल्ला नागराजपुर, सुधीर उर्फ लक्की निवासी मोहल्ला काहरान पुरानी चुंगी नगर कोतवाली, अंजार निवासी गांव मोहर्रा थाना कोचाधामन जिला किशनगंज को गिरफ्तार किया। आरोपियों ने जहांगीर निवासी शहीदगंज और नवीन सैनी निवासी पुरानी चुंगी के साथ मिलकर कारोबारी के घर लूटपाट करना स्वीकार किया। लूट करने जहांगीर, नवीन, लक्की और अनिल यादव निवासी जनपद आंबेडकरनगर गए थे, जबकि आस मोहम्मद और अंजार ने लूट की योजना बनाई थी। आस मोहम्मद पहले भी कारोबारी से लूटपाट कर चुका है। उसको कारोबारी के बारे में पूरी जानकारी थी। अनिल यादव फरार चल रहा है, जिसकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे है। विकासनगर में पकड़ा गया सौरभ लक्की का भाई है, जो इस घटना में शामिल नहीं था।

जेल में हुआ गैंग तैयार

गिरोह का आपराधिक इतिहास है। जहांगीर पर 27, सौरभ पर चार, नवीन पर 18 केस दर्ज हैं।

बोर्ड परीक्षा को नकल विहीन सम्पन्न कराने में विभाग जुटा - जिला विद्यालय निरीक्षक

–परीक्षा केंद्रों पर उत्तर पुस्तिका जाना शुरु।

अयोध्या। हाई स्कूल इंटर मीडिएट बोर्ड परीक्षा को सकुशल व नकल विहीन सम्पन्न कराने के लिये शिक्षा विभाग पूरी तैयारी मे जुटा हुआ है।इसके लिए बोर्ड परीक्षा को सम्पन्न कराने में विभाग में तैनात परीक्षा प्रभारी बोर्ड परीक्षा के दौरान किसी तरह की लापरवाही न हो इसके लिए दिन रात सूची बनाने में जुटे हुए हैं। इस संबंध में जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश कुमार राय ने बताया कि इस बार भी बोर्ड परीक्षा मे किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बर्दाश्त की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस बार भी बोर्ड परीक्षा को नकल विहीन कराने के लिये पहले ही कुछ ऐसे परीक्षा केंद्रों को काली सूची में डाल दिया है।जिन परीक्षा केंद्रों पर पिछले वर्ष नकल करते हुए परीक्षार्थी पाये गये थे।उन्होंने बताया कि जिले में सभी परीक्षा केंद्रों पर पारदर्शिता लाने के लिए सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से नजर रखी जाएगी वहीं सभी परीक्षा केंद्रों को परीक्षा के दौरान कैमरे लाइव रहेंगे जिसके चलते वहां की सारी गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी। उन्होंने बताया कि परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराने के लिये परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त संख्या में कक्ष निरीक्षक, परीक्षा केन्द्र व्यवस्थापक,सह केंद्र व्यवस्थापक,की तैनाती रहेगी। इसके अलावा सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त संख्या में तैनात सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती भी रहेगी। परीक्षा के दौरान परीक्षा केंद्रों पर किसी भी तरह की नकलची व नकल माफिया किसी भी तरह की बाधा न उत्पन्न कर सके इसके लिए पर्याप्त संख्या में सुरक्षा कर्मियों की तैनाती रहेगी। उन्होंने बताया कि उत्तर पुस्तिका जिले में आ गई है।जो कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर जा रही है। उन्होंने बताया कि गुरुवार को सादी उत्तर पुस्तिका जिसमें हाई स्कूल ए कॉपी 26250श व हाई स्कूल बी कॉपी 9150 तथा इंटर ए कॉपी 29050 व इंटर बी कॉपी 6750 जिले के 20 परीक्षा केंद्रों पर गई। शेष उत्तर पुस्तिका शनिवार तक सभी परीक्षा केंद्रों पर पहुंचने की संभावना है।

आरओ व एआरओ की परीक्षा में शामिल होगे कुल 29,185 परीक्षार्थी

अयोध्या। रविवार को होने वाली समीक्षा अधिकारीध्सहायक समीक्षा अधिकारी की परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराने के लिये जिला विद्यालय निरीक्षक विभाग ने पूरी तैयारी कर लिया है।इस संबंध में जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में प्रतियोगी परीक्षा प्रभारी मोती लाल मौर्या ने बताया कि जिले में इस परीक्षा में कुल 29,185 परीक्षार्थी शामिल हो रहे हैं जो 65 परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा के बीच परीक्षा देंगे।उन्होंने बताया कि 65 परीक्षा केंद्रों में 4 परीक्षा केन्द्र राजकीय शिक्षण संस्थान,18 सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थान तथा 43 वित्त विहीन शिक्षण संस्थान शामिल है।जिसमें 50 प्रतिशत परीक्षक शिक्षा विभाग द्वारा तथा शेष 50 प्रतिशत परीक्षक उक्त परीक्षा केंद्रों के शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर एक एक सह परीक्षा केन्द्र प्रभारी बनाये गये है। उन्होंने बताया कि यह परीक्षा सुबह साढ़े नौ बजे से साढ़े ग्यारह बजे तक तथा दूसरी पाली में दोपहर दो बजकर तीस मिनट से तीन बजकर तीस मिनट तक सम्पन्न होगी।परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराने के लिये जिलाधिकारी के आदेश पर 22 सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा 65 स्टैटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है।

यू पी बोर्ड परीक्षा 2024 के लिए मण्डलीय सचल दल गठित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश प्रयागराज द्वारा संचालित की जाने वाली हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा वर्ष–2024 के संचालन व्यवस्था के प्रभावी अनुश्रवण के लिए जे डी माध्यमिक लखनऊ मण्डल डॉ0 प्रदीप कुमार ने चार मण्डलीय सचल दल का गठन कर दिया है,

जिसमें प्रथम दल के प्रभारी वो स्वयं होंगे।

दूसरे सचल दल की प्रभारी डी0डी0आर0लखनऊ मण्डल रेखा दिवाकर।

तीसरे दल के प्रभारी मण्डलीय सहायक शिक्षा निदेशक बेसिक लखनऊ मण्डल 'श्याम किशोर तिवारी।

चौथे मण्डलीय सचल दल के प्रभारी मण्डलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी डॉ0दिनेश कुमार होंगे।

दिनांक 22 फरवरी 2024 से 9 मार्च 2024 तक होने वाली बोर्ड परीक्षा में ये सचल दल जे डी माध्यमिक डॉ प्रदीप कुमार के निदेशानुसार लखनऊ मण्डल के 6 जनपदों लखीमपुर खीरी,सीतापुर, उन्नाव,रायबरेली, हरदोई, व लखनऊ जनपद के परीक्षा केन्द्रों का आकस्मिक निरीक्षक कर शासन की मंशा के अनुरूप नकलविहीन परीक्षा सम्पन्न करवाने में सहयोग करेंगे।

प्रत्येक सचल दल में एक दल प्रभारी दो पुरुष व दो महिला स्टाफ रखे गए हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय के 9 छात्रों का हुआ कैंपस प्लेसमेंट

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकीय एवम् तकनीकी संकाय के प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में 9 छात्र– छात्राओं का कैंपस प्लेसमेंट प्लैनेट स्पार्क एवं इंडियामार्ट कंपनी मे हुआ। चयनित छात्रों को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय एवं संकाय के डीन प्रो. ए. के. सिंह ने बधाई दी एवं उनके उज्जवल भविष्य हेतु आशीर्वाद दिया। प्लेसमेंट इंचार्ज डॉ. हिमांशु पाण्डेय ने बताया कि प्लैनेट स्पार्क कंपनी के कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में बीटेक (कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग) के 2 छात्रों (अक्षिता सिंह एवं श्रेया मिश्रा) और बीटेक (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग) के 3 छात्रों (सुप्रिया तिवारी, कुणाल सिंह एवं आकांक्षा सिंह) एवं बीसीए के छात्र आदर्श मिश्रा का चयन बिजनेस डेवलपमेंट कॉउंसलर के पद पर 6.5 लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर चयन हुआ द्य साथ ही इंडियामार्ट कंपनी के कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में एमबीए (आईएमएस) के 2 छात्रों (प्रियंका सिंह एवं हर्षित निगम) और एमबीए (लुंबा) के 1 छात्र (अमन दीक्षित) का चयन एग्जीक्यूटिव–क्लाइंट सर्विस के पद पर 3.0 लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर हुआ।

बीएससी नर्सिंग के 11 छात्रों के विरूद्ध 420 का मुकदमा दर्ज,मामले में पुलिस कर रही है जांच'

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) संतोष।कुमारअयोध्या मेडिकल कालेज दर्शन नगर में बीएससी नर्सिंग में गलत ढग से प्रवेश लेने वाले 11 छात्रों के खिलाफ कालेज प्रशासन ने मुकदमा दर्ज कराया है। जांच में बीएससी नर्सिंग के सत्र 2023–24 छात्रों के प्रवेश संदिग्ध मिले थे। नर्सिंग कालेज के प्राचार्य डा कल्पना बोरसे ने तहरीर में अमर सिंह, वीरेश मिश्रा, आंचल पटेल, अर्पित वर्मा, अश्वनी कुमार, आयुष कुमार गुप्ता, जितेन्द्र कुमार यादव, किशन कुमार सोनी, सत्य प्रकाश पाण्डेय, शिवम यादव व वेदान्त कुमार के प्रवेश को संदिग्ध बताया था। अटल बिहारी बाजपेई चिकित्सा विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश, लखनउ में इनका रोल नंबर, नाम व फोटो मिलान करने पर संदिग्ध मिले थे। प्राचार्य कल्पना बोरसे की तहरीर पर सभी के खिलाफ धारा 419, 410 में मुकदमा पंजीकृत किया गया है। अयोध्या कोतवाली प्रभारी मनोज शर्मा ने बताया कि 11 छात्रों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। प्रकरण की जांच की जा रही है।

'भारत बन्द के आवाहन को लेकर भारतीय किसान यूनियन ने बैठक की'

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।संयुक्त किसान मोर्चा एवं भारतीय किसान यूनियन द्वारा किसानों, मजदूरों की समस्याओं के समाधान हेतु आगामी 16 फरवरी 24 को भारत बन्द के आवाहन को पूरी मजबूती के साथ जनपद अयोध्या में पालन किया जाएगा। उक्त के संबंध में भारतीय किसान यूनियन जनपद इकाई अयोध्या की आपातकालीन पन्चायत जिला अध्यक्ष राम गणेश मौर्य की अध्यक्षता में गांधी पार्क में संपन्न हुई जिसमें यह तय हुआ कि सभी किसान कृषि कार्य बंद रखेंगे और कृषि प्रतिष्ठानों को भी बंद करने हेतु व्यापारियों से अनुरोध किया जाएगा। तथा 16 फरवरी को तहसीलवार बाजार बंद कराया जाएगा । बीकापुर तहसील में बीकापुर बाजार को तथा रुदौली तहसील में रुदौली बाजार को, सोहावल तहसील में मसौधा व अरुकुना बाजार को, मिल्कीपुर तहसील में इनायतनगर बाजार को, सदर तहसील में दर्शन नगर व गोसाईगंज बाजार को बंद कराया जाएगा, बन्द के दौरान भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ताध्पदाधिकारी बाजारों में पैदल मार्च करते हुए समस्याओं के समाधान के समर्थन में नारेबाजी करेंगे। संगठन के विस्तार के क्रम में बीकापुर ब्लॉक अध्यक्ष के पद पर मस्तराम वर्मा व बीकापुर नगर अध्यक्ष के पद पर मंसाराम वर्मा तथा तहसील सचिव बीकापुर बैजनाथ निषाद को मनोनीत किया गया। पंचायत में राष्ट्रीय सचिव घनश्याम वर्मा ,प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अभयराज ब्रह्मचारी, मध्यांचल जोन सचिव सूर्यनाथ वर्मा, देवी प्रसाद वर्मा, संतोष वर्मा, रामू चंद्र विश्वकर्मा, जगदीश यादव, राम गोपाल मौर्य, शेषमणि वर्मा, रामबचन, मस्तराम वर्मा ,मंसाराम वर्मा, बुधीराम मौर्य, कृष्ण प्रसाद वर्मा, मालती मौर्य,लालती निषाद, श्रीमती देवी, आदि लोग उपस्थित रहे।

ऐश्रा फाउंडेशन ने रायबरेली में दो जगह लगाया निःशुल्क आरओ व चिल्ड वाटर प्लांट

–राणा बेनी माधव सिंह, जिला चिकित्सालय और पंडित मोतीलाल नेहरु स्पोर्ट्स स्टेडियम में स्थापित आरओ व चिल्ड वाटर प्लांट का हुआ आज लोकार्पण

–आरओ प्लांट की क्षमता 800 लीटर प्रति घंटे व स्टोरेज क्षमता एक हजार लीटर की है

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

रायबरेली। ऐश्रा फाउंडेशन द्वारा आज रायबरेली में स्तिथ राणा बेनी माधव सिंह, जिला चिकित्सालय और पंडित मोतीलाल नेहरु स्पोर्ट्स स्टेडियम में निरूशुल्क आरओ व चिल्ड वाटर प्लांट का लोकार्पण हुआ । इस निरूशुल्क आरओ व चिल्ड वाटर प्लांट का लोकार्पण जिलाधिकारी, रायबरेली, श्रीमती हर्षिता माथुर द्वारा किया गया। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी, पूजा यादव , मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ महेन्द्र मौर्य एम.डी.(मेडिसिन) और जिला क्रीड़ा अधिकारी श्री धीरेन्द्र कुमार पुरुषोत्तम की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर जिलाधिकारी रायबरेली, श्रीमती हर्षिता माथुर, ने कहा ष्जनहित को ध्यान में रखते हुए ऐश्रा फाउंडेशन की यह पहल बहुत उपयोगी है, गर्मी का मौसम आ रहा है जिसमे सभी को शुद्ध और शीतल जल की आवश्यकता होती है, ऐसे में यह निशुल्क आरो और चिल्ड वाटर प्लांट यहां आने–जाने वाले लोगों के लिए काफी उपयोगी होगा। उन्होंने आगे कहा कि इस तरह के प्रयास के लिए अन्य संस्थाओं को भी आगे आना चाहिए जिससे अधिक से अधिक लोगों तक इस तरह की लाभ पहुंच सके। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती पूजा यादव ने कहा इस आरओ व चिल्ड वाटर प्लांट लगने से हर आने वाले व्यक्ति के साथ ही स्टाफ को भी लाभ होगा। हम सभी जानते हैं कि जल ही जीवन है, लेकिन आजकल शुद्ध व साफ जल मिलना मुश्किल हो गया है। दूषित जल पीने से तरह–तरह की बीमारियां होने लगी है। ऐसे में ऐश्रा फाउंडेशन की यह पहल सराहनीय है।ष डॉ महेन्द्र मौर्य एम. डी.(मेडिसिन) मुख्य चिकित्सा अधीक्षक और श्री धीरेन्द्र कुमार पुरुषोत्तम, जिला क्रीड़ा अधिकारी ऐश्रा फाउंडेशन की सराहना करते हुए कहा कि," ऐश्रा फाउंडेशन के द्वारा आरओ वाटर पलांट लगाएं जाने के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि अनफिल्टर्ड पानी में मौजूद क्लोरीन, एल्यूमीनियम और पारा जैसे रसायन सेहत पर बुरा प्रभाव डालते है अच्छी सेहत के लिए स्वच्छ जल ही पीना चाहिए। दूषित जल पीने से कई बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। आरओ वाटर प्लांट लगने से अब मरीजों और तीमारदारों काफी राहत मिलेगी। रायबरेली स्थित ऐश्रा जेम्स एंड ज्वेल्स के फ्रेंचाइजी स्टोर ओनर हरिहर सिंह ने कहा "ऐश्रा फाउंडेशन अपनी सामाजिक जवाबदेही और जिम्मेदारी को निभाने के लिए हमेशा तत्पर है। इसी क्रम में जनहित को ध्यान में रखते हुए, ऐश्रा फाउंडेशन ने यह कदम उठाया है। आने वाले समय में हम ऐश्रा फाउंडेशन की तरफ से सामाजिक व सामुदायिक विकास के अन्य कार्य भी शीघ्र ही निष्पादित करेंगे।" ऐश्रा फाउंडेशन लंबे समय से अपनी सामाजिक व सामुदायिक विकास हेतु लोगों को आधारभूत एवं आवश्यकता आधारित सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में राणा बेनी माधव सिंह, जिला चिकित्सालय और पंडित मोतीलाल नेहरु स्पोर्ट्स स्टेडियम में 800 प्रति घंटे पानी शुद्ध करने वाले आरओ व चिल्ड वाटर प्लांट की स्थापना की गई है।

'पुरानी रंजिश में दो पक्षों में हुई मार पीट, इलाज के दौरान युवक की मौत'

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) संतोष कुमार। मिल्कीपुर–अयोध्या। खंडासा थाना क्षेत्र के कीन्हूंपुर गांव के मजरे पूरे पांडे निवासी दो पक्षों में 5 फरवरी को रात 9 बजे हुई मारपीट में इलाज के दौरान लखनऊ में 32 वर्षीय युवक संदीप कुमार की मौत हो गई मृतक के भाई ने गांव के ही चार महिलाओं समेत 12 लोगों के खिलाफ खांडसा पुलिस को कारवाई करने के लिए तहरीर दी है। पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार मृतक के भाई ओमप्रकाश पुत्र बंदे ने कहा है कि हमारे ही गांव के मनोज कुमार पुत्र छंगू प्रसाद एक हिस्ट्रीसीटर है जिसका हमारे परिवार से पुराना विवाद रहा है इसके संबंध में पहले भी मुकदमा दर्ज कराया जा चुका है इसी रंजिश को ध्यान में रखते हुए 5 फरवरी को लगभग 9 बजे मनोज कुमार विदेशियाराम ,दीपक नीरज पुत्रगण छंगू राजेश राकेश पुत्र मंगरु नरेना शांति क्रांति मनोज अमरजीत मनोज कुमार शिव लाल भघेलू आदि लोगों ने एक राय होकर लाठी डंडा तथा लोहे की राड फरसा कुल्हाड़ी लेकर गाली देते हुए मेरे भाई को मारने लगे जिसे बचाने गये अमरजीत, सूरज , व दिलीप को भी जान से मारने की नीयत से मारकर गिरा दिया हल्ला गुहार सुनकर बड़ी संख्या में ग्रामीण आ गये इसके बाद उपरोक्त लोग वहां से धमकी देते हुए चले गए जिसमें संदीप बेहोश हो गया तथा अमरजीत सूरज व दिलीप को भी गंभीर चोटें आई जिसके बाद चोट मृतक संदीप को लेकर तुरंत जिला अस्पताल गए जहाँ से लखनऊ रेफर कर दिया गया जहां 6 फरवरी को शाम 4 बजे उसने दम तोड़ दिया जबकि बाकी चार घायलों का अलग–अलग अस्पताल में इलाज चल रहा है। थाना अध्यक्ष खांडसा मनोज कुमार यादव ने बताया कि मृतक के भाई से प्राप्त तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत किया जा रहा है दोषी लोगों को शीघ्र ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया जाएगा वहीं गांव में बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स को तैनात किया गया है समाचार लिखे जाने तक मृतक का शव गांव में नहीं पहुंच पहुंचा था। जबकि अन्य घायलों की हालत स्थिर बताई गई है।

'अयोध्या तपस्वी छावनी के महंत जगतगुरु परमहंस आचार्य ने रायबरेली से 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ने का किया ऐलान,'

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) संतोष कुमार।भारतीय जनता पार्टी से चुनाव लड़ने का किया ऐलान। भारत को कांग्रेस मुक्त बनाने को लेकर रायबरेली से चुनाव लड़ने का किया ऐलान। जगतगुरु परमहंस आचार्य का बयान– कुछ दिन पहले देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को कांग्रेस मुक्त बनाने का नारा दिया था। तब से हम लगातार प्रयास कर रहे हैं कि भारत कांग्रेस मुक्त हो। उन्होंने कहा कि भाजपा के शीर्ष नेतृत्व में मुझे राजनीति में आने का निवेदन किया है।

'नवागत उप जिलाधिकारी अशोक कुमार सैनी की सक्रियता से संचालकों में मची खलबली'

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।सोहावल–अयोध्या।तहसील क्षेत्र के पशु आश्रय केंद्रो पर नवागत उप–जिलाधिकारी अशोक कुमार सैनी के औचक निरीक्षण में मिलने वाली खामियों के कारण संचालकों में खलबली मचा दी है।विगत तीन दिन पहले चार्ज सम्भालते ही एसडीएम सोहावल ने आज दौलतपुर और सिड़घहिर नरसिंहपुर के आश्रय केंद्र के औचक्क में भारी खामियां तथा चार केयर टेकर के साथ सेक्रेटरी मौके पर गैर हाजिर पाई गयी।दौलतपुर आश्रय केंद्र के निरीक्षण में चारे की कमी और हौदी में पशुओं के लिए पानी न होने से मौजूद कर्मी मंशा राम को कड़ी फटकार लगाते हुए तत्काल पानी भरने का तथा वर्मीकल्चर प्लांट बंद होने से बेतरतीब पड़े गोबर को साफ करने का कड़ा निर्देश दिया। तैनात पांच केयर टेकर में से तीन गैर हाजिर मिलने पर पशुओं के चारे एवं संख्या के लिए बना रजिस्टर मांगने पर नहीं मिल सका।केंद्र पर मिली अनियमितता को देखते हुए सिड़घहिर नरसिंहपुर पशु आश्रय केंद्र पहुंचे।ग्राम प्रधान मो0 नईम के साथ केंद्र के निरीक्षण में 175 पशु में से दो पशु बीमार पाए गये। महज एक शेड तथा चयनित 4 कर्मियो में से दो कर्मी मौजूद मिलने पर नाराजगी जाहिर किया।निरीक्षण के दौरान खाईं के उपर झटका मशीन लगी तथा खाई के पास खुदे गड्ढो में काई जमा पानी देखते ही एसडीएम सैनी ने तत्काल उसे साफ करने तथा कम चारा मिलने पर फटकार लगाते हुए कम से कम दो दिन का हरे चारे की व्यवस्था बनाए रखने और खाईं पर झटका मशीन तार के बदले छः फुट ऊँची जाली लगाने का निर्देश दिया। इस सम्बन्ध में एसडीएम सोहावल ने बताया कि मौके पर सेक्रेटरी सोनम गुप्ता के साथ गैर हाजिर रहने वाले कर्मियों का मोबाइल नंबर केंद्र पर रजिस्टर नहीं होने पर अग्रिम कार्यवाही के लिए जबाब मांगा गया है। संचालको को केंद्र की व्यवस्था सुधारने के लिए आवश्यक निर्देश दिये गये हैं।

संजय सिंह सचिव राष्ट्रीय गांधी स्मारक निधि के मुख्य आतिथ्य एवं डा मार्कण्डेय राय जी की अध्यक्षता में डा एस एन सुब्बाराव भाई जी की 95 वीं जयंती समारोह गांधी आश्रम दिल्ली में आयोजित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

नई दिल्ली। दिल्ली हरिजन सेवक संघ परिसर में भाई जी की 96 वीं जयंती सादे ढंग से भव्यता के साथ देश भर के लोगों ने बापा आश्रम के प्यारे प्यारे बच्चों के साथ मनाई गई। कल सबेरे सफाई कार्यक्रम के बाद बाला जी शिक्षण संस्थान के युवाओं द्वारा आश्रम की दर्शन फेरी के बाद प्रार्थना भवन में भाई जी की स्मृति में उनके साथियों द्वारा अच्छा काम करने की कामना हेतु भव्य यज्ञ संपन्न हुआ। प्रसाद वितरण बच्चों को भी।किया गया। भाई जी के जीवन पर सुंदर चर्चा हुई। शाम को साढ़े चार से साढ़े सात बजे तक 96 वीं जयंती का कार्यक्रम श्री।अजय पांडे जी सलाहकार राष्ट्रीय युवा योजना द्वारा संचालन में चला।जिसमें मैनेजिंग ट्रस्टी श्री गुरुदेव सिंह सिद्धू ने गीत, हरियाणा के श्री सुरेश राठी ने भाई जी को भारत रत्न की मांग की। ,श्री बल राम।सिंह भदौरिया ने गांधी शांति प्रतिष्ठान में भाई जी का।स्मारक, हरिजन सेवक संघ दिल्ली के अध्यक्ष श्रीभगवान शर्मा, ने भाई जी की याद में दिल्ली में नाम पर मार्ग, अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य एवं प्रखर सामाजिक राजनीतिक साथी श्री राजू भाई परमार ने उनके विचारों को।लेकर देश भर में कार्यक्रम, विद्वान श्री मार्कण्डेय राय जी ने भाई जी की समरसता का जिक्र , सेवाधाम अंकितग्राम उज्जैन के सुधीर भाई गोयल ने उनकी वत्सलता श्री रमेश भइया ने दीदी निर्मला।देशपांडे और सुब्बाराव भाई जी की विश्व बंधुता, डा निशा बाला त्यागी ने उनकी तपस्या, ऊषा चौधरी ने उनकी मैत्री भाव, सुब्रो जी, चंपारण के श्री टीपू भाई ने उनकी समाज क्रांति , लक्ष्मण सिंह ने विचार व्यक्त किए। सभी का आभार श्री संजय राय ने व्यक्त किया। फिर सभी ने साथ साथ भोज किया। पूरा वातावरण भाईजी मय हो गया था। अनेक चित्र भाई जी के और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। बच्चों ने भाई जी पर गीत सुनाए उनके चित्र बनाए सभी को पुरुस्कृत भी किया गया।

सड़क पर फिसली बाइक, एक की मौत

मथुरा, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मथुरा में मंगलवार की रात बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई। हादसे में एत युवक की जान चली गई। जबकि दो साथी गंभीर रूप से घायल हैं।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। यह लोग एक वैवाहिक कार्यक्रम से वापस घर लौट रहे थे। घटना राया थाना क्षेत्र के नीवगांव रोड की है। थाना क्षेत्र के ही चामुंडा कालोनी निवासी गजेंद्र सिंह (45) परिवार के साथ रहते थे। वह नीवगांव रोड निवासी उनके साथी आदेश के मित्र की शादी में मांट थाना क्षेत्र के नसीटी गए थे। उनके साथ उनके साले राजू और दोस्त आदेश थे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI सन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R/-1
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।